साप्ताहिक
शहर सत्ता
RNI TITLE CODE - CHHHIN17596
सोमवार, 07 जुलाई से 13 जुलाई 2025
हम दिखाएंगे आईना...
वर्ष : 01 अंक : 18 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए www.shaharsatta.com

पेज 07 में...
बर्मिंघम में भारत की ऐतिहासिक जीत

पेज 12 में...
छत्तीसगढ़ के जलप्रपातों का लौटा सौंदर्य

पेज 06 मराठी ने बना दी जोड़ी!

लिकर स्कैम

छत्तीसगढ़ से झारखंड तक भ्रष्टाचार की धारा

छत्तीसगढ़ जैसे घोटाले की साजिश के आरोप, नई शराब नीति के डिजाइन में थे शामिल

आबकारी मंत्री, 23अफसर और घोटाले के मास्टरमाइंडों ने रची थी 2161 करोड़ की साजिश

आरोप है कि झारखंड के निलंबित आईएएस विनय कुमार चौबे ने एपी त्रिपाठी के साथ मिलकर झारखंड में भी छत्तीसगढ़ जैसी घोटाले की साजिश रची थी। झारखंड एसीबी इस मामले में पहले ही विनय चौबे समेत 8 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। माना जा रहा है कि त्रिपाठी से पूछताछ के बाद झारखंड शराब घोटाले से जुड़े कई और बड़े नाम सामने आ सकते हैं।

शराब घोटाले के मास्टरमाइंड IAS, अनवर और अरुणपति

मुख्य संवाददाता/प्रदीप चंद्रवंशी
मोबाईल नंबर 7000681023

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले के आरोपी अरुणपति त्रिपाठी की मुश्किलें बढ़ गई है। झारखंड की एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) ने छत्तीसगढ़ के पूर्व विशेष सचिव एपी त्रिपाठी से पूछताछ करने की अनुमति मांगी है। ACB ने रांची के स्पेशल कोर्ट में प्रोडक्शन वारंट के लिए आवेदन लगाया है। मामला झारखंड के बहुचर्चित शराब घोटाले से जुड़ा हुआ है। ACB रांची की टीम ने शनिवार को स्पेशल जज योगेश कुमार सिंह की अदालत में प्रोडक्शन वारंट आवेदन दिया। आवेदन मंजूर होने के बाद झारखंड ACB की टीम त्रिपाठी को रांची ले जाकर पूछताछ करेगी। एपी त्रिपाठी पर छत्तीसगढ़ जैसे शराब घोटाले की साजिश के आरोप है। क्योंकि त्रिपाठी झारखंड में लागू की गई नई शराब नीति के डिजाइन में शामिल थे।

शराब नीति निर्माण में त्रिपाठी की भूमिका पर सवाल

झारखंड ACB का आरोप है कि एपी त्रिपाठी झारखंड में लागू की गई नई शराब नीति के डिजाइन में शामिल रहे थे। यही मॉडल छत्तीसगढ़ से प्रेरित था। आरोप है कि इस नीति के जरिए बड़े पैमाने पर घोटाला हुआ और सरकारी खजाने को करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ।

त्रिपाठी को पहले ही मिल चुकी है सुप्रीम कोर्ट से जमानत

बता दें कि एपी त्रिपाठी अप्रैल 2025 में ही सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने पर रिहा हुए थे। वे छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में ईडी की कार्रवाई के बाद लंबे समय तक जेल में थे। अब झारखंड ACB के प्रोडक्शन वारंट के चलते उनकी कानूनी मुश्किलें एक बार फिर बढ़ सकती हैं।

कौन हैं अरुणपति त्रिपाठी ?

अरुणपति त्रिपाठी छत्तीसगढ़ सरकार के आबकारी विभाग के विशेष सचिव रह चुके हैं। इससे पहले वे छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (CSMCL) के एमडी भी रहे हैं। त्रिपाठी मूल रूप से इंडियन टेलीकॉम सर्विस के अधिकारी हैं और डेपुटेशन पर छत्तीसगढ़ में कार्यरत थे। शराब घोटाले में उनकी भूमिका को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने 5 अक्टूबर 2024 को रायपुर की विशेष अदालत में उनके खिलाफ मामला दायर किया। कोर्ट ने उसी दिन इस मामले पर संज्ञान लिया था, लेकिन 7 फरवरी 2025 को हाईकोर्ट ने PMLA कोर्ट के संज्ञान को रद्द कर दिया। अरुणपति त्रिपाठी 8 अगस्त 2024 से न्यायिक रिमांड पर जेल में बंद थे।

खेद प्रकाश

साप्ताहिक समाचार पत्र 'शहर सत्ता' में दिनांक 16 जून को 'जुएं की ज़द में पुलिस रेंज...' शीर्षक से ख़बर का प्रकाशन हुआ था, जिसे लेकर नगर पालिका परिषद् गोबरा-नवापारा की पार्षद एवं नेता प्रतिपक्ष श्रीमती संध्या राव मांडुलकर पति आशुतोष उर्फ़ छोटू मांडुलकर द्वारा एक विधिक नोटिस संपादक के नाम पर प्राप्त हुई है। जिसमें समाचार से उनकी व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचने की बात कही गई है। 'शहर सत्ता' समाचार पत्र की संपादकीय टीम द्वारा उक्त समाचार किसी भी व्यक्ति की छवि धूमिल करने के उद्देश्य से नहीं, बल्कि जनहित और सामाजिक मुद्दों को उजागर करने के उद्देश्य से प्रकाशित किया गया था। यदि त्रुटिवश इस समाचार से पार्षद संध्या राव मांडुलकर की भावनाएं आहत हुई हैं या उनकी प्रतिष्ठा को किसी भी प्रकार से ठेस पहुंची है, तो 'शहर सत्ता' परिवार इस विषय में जिम्मेदारी पूर्वक खेद प्रकाश करता है। साथ ही, यह स्पष्ट करते हैं कि भविष्य में ऐसे किसी भी विषय को प्रकाशित करने से पूर्व, हम संबंधित पक्षों का पक्ष जानने यथा संभव प्रयास करेंगे। हम समाज एवं लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को समझते हैं और जनहित के साथ-साथ व्यक्तिगत गरिमा की रक्षा को भी प्राथमिकता देते हैं। हम पार्षद संध्या राव मांडुलकर की उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना करते हैं।

संपादक
शहर सत्ता
रायपुर, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ में ऐसे हुआ शराब घोटाला

शराब घोटाला मामले में FIR में दर्ज नाम

01. IAS, तत्कालीन संयुक्त सचिव (वाणिज्य एवं उद्योग विभाग छत्तीसगढ़ शासन)
02. अनवर ढेबर
03. अरुणपति त्रिपाठी (प्रबंध संचालक छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमीटेड)
04. मेसर्स रतनप्रिया मिडिया प्राईवेट लिमीटेड
05. कवासी लखमा (तत्कालीन आबकारी मंत्री)
06. निरंजनदास (आई.ए.एस. तत्कालीन आबकारी आयुक्त)
07. जनार्दन कौरव (तत्कालीन सहायक जिला आबकारी अधिकारी)
08. अनिमेष नेताम (तत्कालीन उपायुक्त आबकारी)
09. विजय सेन शर्मा (तत्कालीन उपायुक्त आबकारी)
10. अरविंद कुमार पटले (तत्कालीन सहायक आयुक्त आबकारी)
11. प्रमोद कुमार नेताम (तत्कालीन सहायक कमिशनर आबकारी)
12. रामकृष्ण मिश्रा (तत्कालीन सहायक आयुक्त आबकारी)
13. विकास कुमार गोस्वामी (तत्कालीन सहायक आयुक्त आबकारी)
14. इकबाल खान (तत्कालीन जिला आबकारी अधिकारी)
15. नीतिन खंडुजा (तत्कालीन सहायक जिला आबकारी अधिकारी)
16. नवीन प्रताप सिंग तोमर (तत्कालीन सहायक आयुक्त आबकारी)
17. मंजु कसेर (तत्कालीन जिला आबकारी अधिकारी)
18. सौरभ बख्शी (तत्कालीन सहायक आयुक्त)
19. दिनकर वासनिक (तत्कालीन सहायक आयुक्त आबकारी)
20. आशीष वास्तव (तत्कालीन अतिरिक्त आयुक्त आबकारी)
21. अशोक कुमार सिंह (तत्कालीन जिला आबकारी अधिकारी)
22. मोहित कुमार जायसवाल (जिला आबकारी अधिकारी)
23. नीतू नोतानी (उपायुक्त)
24. रविश तिवारी (तत्कालीन सहायक आयुक्त आबकारी)
25. गरीबपाल दर्दी (आबकारी अधिकारी)
26. नोहर सिंह ठाकुर (आबकारी अधिकारी)
27. सोनल नेताम (सहायक आयुक्त आबकारी विभाग)
28. अरविंद सिंह
29. अनुराग द्विवेदी (मेसर्स अनुराग ट्रेडर्स)
30. अमित सिंह (मेसर्स अदीप एग्रोटेक प्राईवेट लिमिटेड)
31. नवनीत गुप्ता
32. पिंकी सिंह (प्रोप्राईटर अदिप एम्पायर्स)
33 विकास अग्रवाल उर्फ सुब्बू
34. त्रिलोक सिंह, ढिल्लन (मेसर्स ढिल्लन सिटी मॉल प्राईवेट लिमीटेड)
35. यश टुटेजा (निवासी कटोरा तालाब रायपुर)
36. नितेश पुरोहित, गिरीराज होटल, रायपुर
37. यश पुरोहित, गिरीराज होटल, रायपुर
38. अभिषेक सिंह, डायरेक्टर मेसर्स नेक्सजेन पॉवर इंजीटेक प्राईवेट लिमीटेड
39. मनीष मिश्रा, मेसर्स नेक्सजेन पॉवर इंजीटेक प्राईवेट लिमीटेड
40. संजय कुमार मिश्रा, सी.ए. मेसर्स नेक्सजेन पॉवर इंजीटेक प्राईवेट लिमीटेड
41. अतुल कुमार सिंह श्री ओम साईं, बेवरेजेस प्राईवेट लिमीटेड
42. मुकेश मनचंदा, श्री ओम साई बेवरेजेस प्राईवेट लिमीटेड
43. विजय भाटिया, भिलाई
44. अशीष सौरभ केडिया, मेसर्स दिशिता वेंचर्स प्राईवेट लिमीटेड
45. मेसर्स छ.ग. डिस्टलरीस प्राईवेट लिमीटेड
46. मेसर्स भाटिया वाईन एवं मर्चेंटस प्राईवेट लिमीटेड
47. मेसर्स वेलकम डिस्टलरीस
48. सिद्धार्थ सिंघानिया, मेसर्स सुमीत फैसलिटीस लिमीटेड एवं टॉप सिक्योरिटीस फैसलिटीस मैनेजमेंट
49. बच्चा राज लोहिया मेसर्स इगल हंटर सॉल्युशन लिमीटेड एवं पार्टनर
50. मेसर्स अलर्ट कमाण्डों प्राईवेट लिमीटेड एवं पार्टनर
51. अमित मित्तल, मेसर्स ए टू जेड प्राईवेट लिमिटेड
52. उदयराव मेसर्स ए टू जेड प्राईवेट लिमीटेड का मैनेजर
53 मेसर्स प्राईम वन वर्क फोर्स
54. लक्ष्मीनारायण बंसल उर्फ पप्पू बंसल निवासी भिलाई
55. विधु गुप्ता, प्रीज्म होलोग्राफी एवं सिक्योरिटीस प्राई लिमी.
56. दीपक दुआरी
57. दिपेन चावडा
58. मेसर्स प्राईम डेव्हलपर्स
59. मेसर्स ए ढेबर बिल्डकॉन
60. मेसर्स ए. जे. एस. एग्रोट्रेड प्राईवेट लिमीटेड
61. सफायर इस्पात के मालिक श्री उमेर ढेबर एवं श्री जुनैद ढेबर
62. अख्तर ढेबर
64. अशोक सिंह
65. सुमीत मलो
66. रवि बजाज
67. विवेक ढांढ, निवासी जी. ई. रोड रायपुर
68. अज्ञात कांग्रेस के पदाधिकारीगण
69. अन्य आबकारी अधिकारीगण
70. विकास अग्रवाल के साथीगण के अज्ञात नाम भी शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ED जांच कर रही है। ED ने ACB में FIR दर्ज कराई है। दर्ज FIR में 2 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले की बात कही गई है। ED ने अपनी जांच में पाया कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में IAS अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी AP त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया था।

कमिश्नर निरंजन को मिलते थे मंथली 50 लाख

छत्तीसगढ़ में 2161 करोड़ रुपए के शराब घोटाले की जांच कर रहे EOW के अफसर 5 जुलाई को कोर्ट में आबकारी अधिकारियों के खिलाफ चालान पेश करेंगे। शराब घोटाले में 23 से ज्यादा आबकारी अफसर आरोपी हैं। आबकारी की जांच में खुलासा हुआ है, कि अफसरों ने सिंडिकेट बनाकर शराब घोटाले में पूरा साथ दिया। शराब घोटाला करने के एवज में अफसर हर साल 70 करोड़ की वसूली करते थे। EOW की जांच में सामने आया है, कि तत्कालीन आबकारी आयुक्त निरंजन दास को हर महीने 50 लाख रुपए दिया जाता था। यह पैसा एपी त्रिपाठी के माध्यम से उनके पास पहुंचा था। सिंडिकेट में शामिल हर अफसर का कमीशन तय था। चार साल में अफसरों ने अवैध उगाही करके करोड़ों की संपत्ति बनाई है।

नीचे से ऊपर तक भ्रष्टाचार का आरोप

- तत्कालीन आबकारी आयुक्त IAS निरंजन दास
- तत्कालीन सहायक जिला आबकारी अधिकारी रायपुर जनार्दन कौरव
- तत्कालीन उपायुक्त आबकारी अधिकारी धमतरी अनिमेष नेताम
- तत्कालीन उपायुक्त आबकारी महासमुंद विजय सेन शर्मा
- तत्कालीन सहायक आयुक्त आबकारी अरविंद कुमार पटेल
- तत्कालीन सहायक कमिशनर आबकारी प्रमोद कुमार नेताम
- तत्कालीन सहायक आयुक्त आबकारी रामकृष्ण मिश्रा
- तत्कालीन सहायक आयुक्त आबकारी विकास कुमार गोस्वामी
- तत्कालीन जिला आबकारी अधिकारी इकबाल खान
- तत्कालीन सहायक जिला आबकारी अधिकारी नीतिन खंडजा
- तत्कालीन जिला आबकारी अधिकारी नवीन प्रताप सिंग तोमर
- तत्कालीन जिला आबकारी अधिकारी मंजूश्री कसेर
- तत्कालीन सहायक आयुक्त सौरभ बख्शी
- तत्कालीन सहायक आयुक्त आबकारी दिनकर वासनिक
- तत्कालीन जिला आबकारी अधिकारी अशोक कुमार सिंह
- जिला आबकारी अधिकारी मोहित कुमार जायसवाल
- आबकारी उपायुक्त नीतू नोतानी
- तत्कालीन सहायक आयुक्त आबकारी रविश तिवारी
- आबकारी अधिकारी गरीबपाल दर्दी
- आबकारी अधिकारी नोहर ठाकुर
- आबकारी सहायक आयुक्त सोनल नेताम

अनपढ़ आबकारी मंत्री को मिले 64 करोड़

शराब घोटाले में जेल भेजे गए पूर्व आबकारी मंत्री एवं सुकमा विधायक को 64 करोड़ रुपए का कमीशन मिला। यह राशि विभिन्न स्रोत के माध्यम से लखमा तक विभिन्न चैनलों के माध्यम से पहुंचती थी। यह घोटाला सिंडीकेट बनाकर किया गया और इसमें लखमा भी शामिल थे। ईओडब्ल्यू ने प्रकरण की जांच करने के बाद विशेष न्यायाधीश की अदालत में सोमवार को 1167 पन्नो का चालान पेश किया। इसमें 1100 पन्नों में दस्तावेज और 67 पन्नों में घोटाले से संबंधित विस्तृत समरी दी गई है। इसमें बताया गया है कि लखमा को 64 करोड़ का कमीशन मिला है। वहीं 18 करोड़ रुपए के निवेश और खर्च के दस्तावेजी साक्ष्य मिले हैं। आबकारी मंत्री रहते हुए 2019 से 2023 तक उनकी जानकारी में यह खेल चल रहा था। जिम्मेदार और संवैधानिक पद पर रहते हुए भी उन्होंने केवल अपने कर्तव्यों की घोर उपेक्षा करते हुए नीतिगत निर्णयों में हस्तक्षेप किया। साथ ही अधिकारियों की पदस्थापना, टेंडर और नगद लेन-देन की समानांतर व्यवस्था स्थापित कर विभागीय तंत्र को भ्रष्टाचार के माध्यम से संचालित किया गया। बता दें कि 2161 करोड़ रुपए के इस घोटाले में अब तक 3 पूरक चालान पेश किए जा चुके हैं।

चोर ने ATM से पैसे चुराने का दिखाया LIVE डेमो

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर में महाराष्ट्र के नागपुर के एक चोर ने ATM में काली पट्टी लगाकर 78 हजार 900 रुपए चुरा लिए। आरोपी ने 6 लोगों के अकाउंट से रुपए चुराए थे। पुलिस ने चोर को नागपुर से गिरफ्तार कर उसी ATM में लेकर गई, जहां से पैसे चुराए थे। मामला आमानाका थाना क्षेत्र का है। इस दौरान आरोपी ने ATM में किस तरह से काली पट्टी फंसाकर चोरी की थी, उसको पुलिस के सामने लाइव डेमो देकर बताया। साथ ही पुलिस को बताया कि चोरी करने से पहले उसने यूट्यूब से कई वीडियोज देखे। उन्हीं वीडियो से सीखकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। दरअसल, ATM में छेड़छाड़ कर करीब 6 लोगों के अकाउंट से पैसे चोरी हो गए थे। IDBI बैंक एटू जेड चौक टाटीबंध के ब्रांच मैनेजर अमृत मिढ़ा ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया कि बैंक में 6 से ज्यादा ग्राहकों ने शिकायत की है। वह ATM से पैसे निकालने गए थे। उनके खातों से पैसे कट गए, लेकिन एटीएम से रुपए बाहर नहीं आए। इसके बाद पुलिस उस ATM में पहुंची, जहां से ग्राहकों के पैसे कट गए थे, लेकिन रुपए ATM से निकले नहीं। CCTV फुटेज की जांच भी की गई।

आरोपी पुलिस गिरफ्त

आमानाका के तत्कालीन थाना प्रभारी सुनील दास ने बताया कि CCTV फुटेज की मदद से पूछताछ की गई। साथ ही तकनीकी जांच के बाद नागपुर निवासी विश्वजीत सोमकुंवर (28) के बारे में पता चला। पुलिस ने आरोपी को नागपुर से गिरफ्तार किया है।

महंगी बोतल में सस्ती शराब का धंधा

सिंडिकेट करता था सीसीटीवी ऑफ करके मिलावट का खेल लालपुर के कर्मचारी, मुख्य आरोपी 22 दिन बाद गिरफ्तार

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर की जिला आबकारी विभाग और फ्लाइंग स्क्वॉड की संयुक्त टीम ने 13 जून को लालपुर के कंपोजिट शराब दुकान से 265 पेटी मिलावटी शराब मिली थी। इसके अलावा 34 पेटी गोवा स्पेशल व्हिस्की बिना होलोग्राम के मिली थी। शराब बिक्री की जांच में टीम को ठेका काउंटर से 12,10,480 रुपए की रकम भी गायब मिली। इस मामले में फरार मुख्य आरोपी शेखर बंजारे को लगभग 22 दिन बाद फ्लाइंग स्क्वॉड की टीम ने अभनपुर के परसट्टी से गिरफ्तार किया है।

शराब दुकान में मिलावट के वक्त बंद हो जाता था सीसीटीवी

आरोपी ने विभाग को पूछताछ में बताया है कि पिछले चार महीने से पूरा खेल चल रहा था। दुकान में ऑडिट तक नहीं किया जा रहा था। आरोपी दुकान के पास स्थित कार्टून स्टॉक के पास जाकर मिलावट करते थे। इस दौरान शराब लाते-ले जाते वक्त सीसीटीवी कैमरा ऑफ कर दिया जाता था।

सिंडीकेट की तरह कर रहे थे काम

आरोपी ने आबकारी विभाग को पूछताछ में बताया कि दुकान के सभी कर्मचारी मिलकर सिंडीकेट की तरह दुकान की शराब में मिलावट करके बेचते थे। ये लोग सस्ती शराब को महंगी बोतलों में भरकर बेच देते थे। सर्किल के आबकारी अधिकारियों को उनके इस काम की जानकारी थी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

बिना होलोग्राम के मिली बोतल बाहरी राज्यों की थी

वहीं अबतक की पूछताछ में आरोपी ने बताया है कि 34 पेटी गोवा स्पेशल व्हिस्की बाहरी राज्यों से मंगाई गई। जिसे मिलावट कर बिना होलोग्राम के ही कस्टमर्स को बेच दिया जाता था। इसके अलावा मिलावटी शराब के ढक्कन और शीशी की बोतल लोकल मार्केट से उठाते थे।

तोमर-ब्रदर्स के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

शहर सत्ता/रायपुर। रायपुर के तोमर ब्रदर्स के खिलाफ कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। साथ ही दोनों आरोपियों को जांच और पूछताछ के लिए पुलिस के सामने पेश होने का भी निर्देश दिया है। बताया जा रहा है कि आरोपियों की संपत्ति भी जल्द कुर्क की जा सकती है। मिली जानकारी के मुताबिक रोहित सिंह तोमर और वीरेंद्र सिंह तोमर महीनेभर से ज्यादा समय से फरार हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों की तलाशी के लिए कई राज्यों में टीम भी भेजी थी, लेकिन अब तक गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। पुलिस की टीम लगातार छापेमारी कर रही है।

संपत्ति की जा सकती है कुर्क, रायपुर में कर्ज देकर वसूलते थे अधिक ब्याज

दरअसल, पुरानी बस्ती पुलिस ने 2 दिन पहले ही कारोबारी गजानंद सिंह की शिकायत पर रोहित तोमर, दिव्यांश तोमर, आकाश मिश्रा और योगेश सिन्हा के खिलाफ अवैध वसूली, धमकी और छत्तीसगढ़ ऋणियों का संरक्षण अधिनियम के तहत FIR दर्ज की है। इसके पहले भी अलग-अलग लोगों की शिकायत पर 6 से ज्यादा FIR हो चुकी है। हिस्ट्रीशीटर तोमर भाइयों के कई लोग शिकार हैं। आरोपियों और उनके गुर्गों का खौफ पीड़ितों को इस कदर था कि उनके शहर में रहते हुए शिकायत देने नहीं पहुंच रहे थे। पुलिस ने वीरेंद्र और रोहित पर जब से कार्रवाई शुरू की है, तब से पीड़ितों के मन में डर खत्म हो गया है।

बता दें कि, एक साल पहले रायपुर के हाइपर क्लब गोलीकांड के बाद पुलिस ने आरोपियों का सिर आधा मुंडवा कर जुलूस निकाला था। इस घटना में रोहित तोमर, विकास अग्रवाल, सारंग मांधान और अमित तनेजा गिरफ्तार हुए थे। जुलूस निकालने के दौरान उनके कपड़े भी फटे हुए थे।

जामवाल ने "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" पर लगाई क्लास

क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नेताओं से बोले- भाजपा के पक्ष में माहौल

शहर सत्ता/रायपुर। भाजपा के प्रदेश कार्यालय में शनिवार को "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" पर एक वर्कशॉप हुई। भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने नेताओं को आगे कैसे काम करना है, किन बातों पर ज्यादा फोकस करना है इसके बारे में बताया। उन्होंने वर्कशॉप में कहा- आज देश और प्रदेश में भाजपा के अनुकूल वातावरण है, अत: हम इस संकल्पना को साकार करने में कोई कसर न छोड़ें। जामवाल ने कहा कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों और कार्यक्रमों ने जनता का भरोसा पार्टी के प्रति बढ़ाया है। भाजपा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री जामवाल ने कहा कि "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" भारत सरकार की एक पहल है, जिसका उद्देश्य देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच आपसी समझ और सांस्कृतिक एकीकरण को बढ़ावा देना है। यह कार्यक्रम 2015 में शुरू किया गया था। यह कार्यक्रम सभी स्कूलों में एक वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव के रूप में आयोजित किया जाता है। "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम के तहत, प्रत्येक राज्य को किसी अन्य राज्य के साथ जोड़ा जाता है ताकि वे एक-दूसरे की संस्कृति, भाषा, भोजन, त्योहारों, पर्यटन आदि के बारे में जान सकें और उनका अनुभव कर सकें।

उन्होंने कहा कि इस माहौल को बनाए रखने और जनता के भरोसे को और मजबूत करने के लिए भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और

जनप्रतिनिधियों को और मेहनत करने की आवश्यकता है ताकि यह देश और भाजपा के प्रति विश्वास और मजबूत हो। जामवाल ने कहा कि जनता-जनार्दन समस्याओं का अध्ययन और निराकरण सही ढंग से हो, देश के सर्वांगीण विकास का विजन स्पष्टता के साथ लोगों तक पहुंचे। यह आवश्यक है ताकि देश का विकास किया जा सके और कठिनाइयों को दूर किया जा सके।

नदी-नाले उफान पर, बारिश ने बिगाड़ा सब्जियां का दाम

शहर सत्ता/रायपुर। कुंदरु 48 रुपए किलो थोक में बोली लगी तो छबिलाल धूप में सांवला हो चुका चेहरा भी दमकने लगा। छबिलाल बार-बार उस पर्ची को देख रहे हैं जिसको आढ़तिया ने दिया है। चेकदार लाल शर्ट और मटमैले पैंट में अभी भी पीली मिट्टी लगी हुई है। ऐसा लग रहा है कि बाड़ी से सब्जी तोड़कर सीधे शास्त्री मार्केट आए हैं। पूछने पर बताया, 'भाटागांव से आए हैं। पहले तो 10-15 रुपए किलो बिकता था। आज पहली बार इतना बढ़िया भाव मिला है।' इसी तरह कुम्हारी के थोक सब्जी मंडी में भी बाजार गरम है। दोपहर दो बजे बोली शुरू हुई। किस सब्जी की बोली कहां तक जाएगी, इसका अनुमान कोई नहीं लगा पा रहा है। धमधा से भिंडी लेकर पहुंचे रामजीलाल जांगड़े बाजार के रूख से बहुत खुश हैं। उनकी भिंडी थोक

में 53 रुपए किलो बिकी। थोक भाव बहुत ज्यादा है। इसलिए खरीदने वाले से आसपास खड़े दूसरे फुटकर सब्जी विक्रेता उससे पूछ रहे हैं, 'खरीद तो लिए, बेचोगे कैसे?' लेकिन इसका दूसरा पक्ष भी दिखाई दे रहा है- कहीं खुशी कहीं गम। फुटकर में सब्जी का भाव इतना बढ़ गया है कि आम लोग परेशान हैं।

- न पुल मिला, न राह, छलांग लगाकर नदी पार करते 800 ग्रामीण

16 पिलर्स पर टिकी पूरे गांव की जिंदगी

कांकेर। उत्तर बस्तर के कांकेर जिले का बांसकुंड गांव और उससे जुड़े तीन आश्रित गांव — ऊपर तोनका, नीचे तोनका और चलाचूर — आज भी बुनियादी सुविधा के लिए तरस रहे हैं। आजादी के सात दशक बाद भी इन गांवों को चिनार नदी पर एक अदद पुल नहीं मिला। बारिश के तीन महीनों में यह गांव मुख्यधारा से कट जाते हैं और ग्रामीणों की जिंदगी पूरी तरह ठहर जाती है।

स्टॉप डैम ही बना 'जुगाड़ पुल', 16 पिलर ही एकमात्र सहारा

चिनार नदी पर करीब 10 साल पहले बनाया गया स्टॉप डैम अब ग्रामीणों के लिए जीवन रेखा बन गया है। डैम में गेट नहीं हैं, इसलिए बरसात में यह सिर्फ 16 पिलरों की लाइन बनकर रह जाता है। इन्हीं पिलरों को कूदते-लांघते ग्रामीण पार करते हैं। खाद, बीज, राशन, स्कूल बैग — सब कंधे पर लादकर नदी पार करते हैं। एक तरफ जाने में 16 पिलर, आने-जाने में कुल 32 छलांग। यह जोखिम हर दिन उठाया जाता है।

स्कूल, अस्पताल, बाजार — सब छूट जाते हैं

बरसात में सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों और मरीजों को होती है। बांसकुंड के सरपंच सगुनराम उईके कहते हैं, "स्कूल जाने वाले बच्चों को किताबें टांगकर पिलर पार करना होता है। बरसात में स्कूल बंद हो जाते हैं। बीमार व्यक्ति को खाट में लादकर नदी पार कराना भी जानलेवा जोखिम होता है।"

छोटे बच्चों और महिलाओं के लिए खतरा ज्यादा

पिलरों को पार करना बुजुर्ग, महिलाएं और छोटे बच्चों के लिए बहुत खतरनाक होता है। ग्रामीण बोहरन सिंह बताते हैं, "एक बार स्कूल का बच्चा फिसलकर गिर गया था। किस्मत अच्छी थी कि वहां लोग मौजूद थे, वरना हादसा हो सकता था।"

ऐसे ही एक शिक्षक भी गिर चुके हैं जो तैरकर बाहर आए।

बांस की चटाई से बनाते थे अस्थायी पुल

पहले ग्रामीण बरसात के पहले बांस-बल्लियों और चटाई से एक अस्थायी पुल बना लेते थे, लेकिन इस बार वह भी नहीं बना। अब सीधा छलांग लगाकर ही नदी पार करनी पड़ रही है। राशन लेने आने वाले लोग भी अपने कंधे पर बोझ लादकर पिलरों को पार करते हैं।

70 साल में नहीं बना पुल, मिला सिर्फ आश्वासन

सरपंच और ग्रामीणों ने कई बार शासन, प्रशासन, विधायक-सांसद तक आवेदन दिया, लेकिन नतीजा सिर्फ आश्वासन निकला। जिला पंचायत के सीईओ हरीश मंडावी का कहना है, "हमने पुल निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेजा है, जल्द ही पक्का पुल बनेगा।" लेकिन सवाल यही है कि जब सात दशक में पुल नहीं बना, तो क्या इस बार भी यह वादा सिर्फ फाइलों में रह जाएगा?

गांव के विकास की रफ्तार थमी

ग्रामीण सतीश कुमार कहते हैं, "पुल नहीं होने से गांव की प्रगति रुक गई है। खेती किसानी से लेकर बच्चों की पढ़ाई तक हर क्षेत्र प्रभावित हो रही है।"

बारिश से 4 लाख क्विंटल धान खराब

जांजगीर चांपा। लगातार बारिश से जिले के अमरताल गांव का धान संग्रहण केंद्र जलमग्न हो गया है. सप्ताहभर से हो रही बारिश से शासन का 4 लाख क्विंटल धान पानी में भीगकर अंकुरित हो गया है और अब सड़ने लगा है. धान की सुरक्षा करने में विपणन विभाग करोड़ों रुपए खर्च करने के बाद भी सुरक्षित नहीं रख पाए हैं. विधायक ब्यास कश्यप ने शासन-प्रशासन पर किसानों के मेहनत की गाढ़ी कमाई को सहेज नहीं पाने का आरोप लगाया है. उन्होंने जिम्मेदारी अधिकारी-कर्मचारी पर कार्रवाई की मांग की है. जांजगीर चांपा जिले में राज्य शासन ने 63 लाख 27 हजार क्विंटल की धान खरीदी की और मिलिंग के बाद बचे धान को अमरताल गांव के संग्रहण केंद्र में रखा गया. धान खरीदी होने के 5 माह गुजरने के बाद भी धान का मिलिंग नहीं हो सका है. विभागीय अधिकारियों की लापरवाही के कारण अधिकांश धान खुले आसमान में रखा गया और अब बरसात में भी धान को सुरक्षित नहीं रख पाए, जिसके कारण धान-पानी में पूरी तरह डूब गया और अंकुरित होने लगा है. संग्रहण प्रभारी अपनी गलती को छिपाने के लिए आनन-फानन में अंकुरित और खराब धान को दूसरी बोरी में पल्टी करने में लगे हैं. इस मामले में जांजगीर चांपा विधानसभा के विधायक ब्यास कश्यप ने कहा, राज्य सरकार ने किसानों के धान को 3100 रुपए में खरीदी की वाहवाही लूटने का प्रयास किया।

अब ज़मीन से जुड़ी हर जानकारी मोबाइल पर

रायपुर। अब ज़मीन खरीदना या बेचना होगा पूरी तरह पारदर्शी और आसान। छत्तीसगढ़ सरकार के पंचायत विभाग ने ज़मीन संबंधी सभी जानकारी को मोबाइल फोन पर उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। अब ज़मीन की गाइडलाइन दर, स्टांप ड्यूटी, पंजीयन शुल्क, भू-स्वामित्व और उपयोग की वैधता जैसी सारी जानकारी एक क्लिक में मोबाइल पर उपलब्ध होगी। इस सुविधा को 'सुगम' पोर्टल के ज़रिए शुरू किया गया है, जहां राज्य के किसी भी ज़िले, तहसील और गांव की ज़मीन की डिटेल आसानी से निकाली जा सकती है।

इससे आम लोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और भू-माफिया और बिचौलियों की भूमिका भी खत्म होगी। पंचायत विभाग द्वारा शुरू की गई यह व्यवस्था न केवल जमीन के लेन-देन को सरल बनाएगी, बल्कि फर्जीवाड़े पर भी नियंत्रण लाएगी। किसी भी व्यक्ति को अब ज़मीन खरीदने से पहले यह जानना मुश्किल नहीं होगा कि वह वैध है या नहीं, उस पर कितना शुल्क लगेगा, और उसका वास्तविक बाज़ार मूल्य क्या है।

"लोकल से ग्लोबल: 'जशपुर' बनेगा विश्वस्तरीय ब्रांड

रायपुर/जशपुर। छत्तीसगढ़ के सुदूर आदिवासी अंचल जशपुर से उपजा महिला सशक्तिकरण और जैविक उत्पादों का प्रतीक 'जशप्योर' ब्रांड अब अपनी सीमाओं से बाहर निकलकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों की ओर बढ़ चला है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' विजन को आत्मसात करते हुए जशप्योर के ट्रेडमार्क का हस्तांतरण उद्योग विभाग को करने का निर्णय लिया गया है, जो इस ब्रांड को वैश्विक पहचान दिलाने में मील का पत्थर साबित होगा।

परंपरा से नवाचार तक: 'जशपुर' एक आदर्श मॉडल

'जशप्योर' केवल एक ब्रांड नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ी माटी की खुशबू, आदिवासी महिलाओं की मेहनत और आत्मनिर्भरता की एक मजबूत मिसाल है। यह ब्रांड जशपुर जिले की आदिवासी महिलाओं द्वारा संचालित महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से प्राकृतिक वनोपज और पारंपरिक कृषि उपज से तैयार स्वस्थ, रसायनमुक्त और पारंपरिक खाद्य उत्पाद उपलब्ध कराता है। 'जशप्योर' की कार्यशक्ति में 90% से अधिक कर्मचारी महिलाएं हैं। ये महिलाएं न केवल उत्पादन, प्रसंस्करण और पैकेजिंग जैसे कार्यों में दक्ष हैं।

ब्रांड की खासियत:

- 100% प्राकृतिक और पोषणयुक्त उत्पाद, जिनमें न कोई प्रिज़र्वेटिव है, न कृत्रिम रंग या स्वाद।
- सस्टेनेबल पैकेजिंग और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील उत्पाद श्रृंखला।
- महुआ आधारित उत्पादों से लेकर मिलेट पास्ता, ढेकी कूटा चावल, कोदो, कुटकी जैसे स्थानीय उत्पाद, जो अब देशभर में लोकप्रिय हैं।

डॉक्टर्स डे पर नेशनल होम्योपैथिक सेमिनार

रायपुर। डॉक्टर्स डे के अवसर पर राजधानी रायपुर में नेशनल होम्योपैथिक सेमिनार का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम का आयोजन होम्योपैथिक रिसर्च एंड डेवलपमेंट एसोसिएशन (HRDA) द्वारा 6 जुलाई को होटल इंडियन हेरिटेज, फाफाडीह में किया गया। सेमिनार में प्रदेशभर से आए अनुभवी चिकित्सकों और विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत आयुष विभाग के संयुक्त संचालक डॉ. सुनील दास ने दीप प्रज्वलन कर की। छत्तीसगढ़ स्टेट आयुष काउंसिल के रजिस्ट्रार डॉ. संजय शुक्ला विशिष्ट अतिथि के रूप में मंच पर उपस्थित रहे। इस राष्ट्रीय सेमिनार में होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति के विस्तार, रिसर्च और नीतिगत विकास पर विस्तार से चर्चा की गई। सेमिनार में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से आए चिकित्सकों ने शिरकत की। चिकित्सा सेवा में विशिष्ट योगदान के लिए डॉ. दिलीप मुकुंद पिंपले, डॉ. वसुधा मिश्रा, डॉ. राकेश राठौर और डॉ. अविनाश रुद्रज्वार को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. विजयशंकर मिश्रा रहे। इस दौरान रायपुर के डॉ. आशुतोष त्रिपाठी और डॉ. जितेंद्र जैन ने होम्योपैथिक चिकित्सा की आधुनिक दिशा और उपचार पद्धति पर व्याख्यान दिया, जिसे प्रतिभागियों ने सराहा।

रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय का नया घोटाला

फार्मेसी छात्रों से वसूली गई तीन गुना ज्यादा फीस

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी स्थित रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय का नाम एक बार फिर विवादों में है। मेडिकल कॉलेज में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (NMC) के सदस्यों को रिश्वत देने के आरोपों में घिरे इस संस्थान पर अब फार्मेसी छात्रों से तीन गुना ज्यादा फीस वसूलने का गंभीर आरोप सामने आया है। दुर्ग के कुम्हारी में स्थित रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी में बी.फार्मा कोर्स के लिए 100 सीटें उपलब्ध हैं। छत्तीसगढ़ की प्रवेश एवं फीस विनियामक समिति (AFRC) ने वर्ष 2024-25 के लिए बी.फार्मा पाठ्यक्रम की वार्षिक फीस ₹39,300 तय की थी। लेकिन संस्थान ने विश्वविद्यालय विनियामक आयोग से मिलीभगत कर इस राशि को तीन गुना बढ़ाकर ₹1.20 लाख निर्धारित करा लिया और छात्रों से वही शुल्क वसूला गया।

विशेषज्ञों के अनुसार, वर्ष 2008 में लागू अधिनियम के बाद केवल AFRC को ही व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की फीस तय करने का अधिकार है। इसके बावजूद रावतपुरा सरकार संस्थान ने विनियामक आयोग की आड़ में फीस में हेरफेर की, जो स्पष्ट रूप से नियमों का उल्लंघन है। पूर्व वित्त सदस्य योगेश वर्ल्यानी ने कहा, "यदि विश्वविद्यालय ने AFRC की तय फीस से इतर कोई शुल्क लिया है, तो यह सरासर गलत है।" उनका यह भी कहना है कि 5 जून 2024 को समिति का कार्यकाल समाप्त हो चुका है, और अब किसी भी कार्रवाई के लिए नई समिति का गठन आवश्यक है।

राज्य शासन का स्पष्ट आदेश भी हुआ नजरअंदाज

24 फरवरी 2024 को राज्य सरकार ने एक स्पष्ट आदेश जारी किया, जिसमें कहा गया था कि फार्मेसी पाठ्यक्रमों की फीस केवल AFRC द्वारा निर्धारित की जाएगी और वही वैध मानी जाएगी। इसके बावजूद रावतपुरा सरकार संस्थान ने इस आदेश को नजरअंदाज कर छात्रों पर आर्थिक बोझ लाद दिया।

छात्रों और अभिभावकों में आक्रोश

फीस की यह गड़बड़ी सामने आने के बाद छात्रों और अभिभावकों में भारी आक्रोश है। उन्होंने मांग की है कि विवि प्रशासन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और अवैध रूप से वसूली गई अतिरिक्त राशि वापस की जाए।

पहले से विवादों में रहा है संस्थान

गौरतलब है कि इससे पहले भी रावतपुरा सरकार मेडिकल कॉलेज में NMC सदस्यों को रिश्वत देने का मामला तूल पकड़ चुका है। अब फीस वसूली घोटाले ने इस संस्थान की विश्वसनीयता और नीयत पर एक बार फिर सवाल खड़ा कर दिया है।

संपादकीय

सुकांत राजपूत

पवित्रता ख़त्म...

कुछ समय पहले तक यह सोचा भी नहीं जा सकता था कि कोई आईएएस अधिकारी गिरफ्तार हो जाएगा। भारत में अधिकारी गिरफ्तार नहीं होते थे। घोटालों में नेता बदनाम होते थे या पकड़े जाते थे। अधिकारी बेदाग रहते थे। बोफोर्स से लेकर चारा घोटाले और संचार से लेकर आदर्श घोटाले तक किसी अधिकारी के पकड़े जाने की शायद ही मिसाल हो। कोयला घोटाले में जरूर एक आईएएस फंसे थे लेकिन अदालत ने उनको भी बरी कर दिया है। परंतु अब आए दिन किसी न किसी अधिकारी के गिरफ्तार होने की खबर आती है। अकेले झारखंड में तीन आईएएस अधिकारी अभी जेल में हैं। विनय चौबे और छवि रंजन कार्यरत आईएएस हैं और अमित प्रकाश रिटायर हैं। ये तीनों किसी न किसी मामले में जेल में बंद हैं। कुछ दिन पहले ही लंबा समय जेल में बिता कर आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल जमानत पर छूटी हैं।

उधर ओडिशा ने 10 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए आईएएस अधिकारी धीमान चकमा को गिरफ्तार किया गया है। उनको घर से 37 लाख रुपए नकद मिले। वे जेल में बंद हैं। ओडिशा में ही राजस्व सेवा के एक अधिकारी जो ईडी के डिप्टी डायरेक्टर थे उनको भी घूस लेते गिरफ्तार किया गया। छत्तीसगढ़ में आईएएस अधिकारी समीर विश्नोई और रानू साहू को गिरफ्तार किया गया था। दोनों को हाल ही में जमानत मिली है। लेकिन पूर्व आईएएस अभी जेल में बंद हैं उनको जमानत नहीं मिली है। इस बीच रानू साहू को आईएएस पति जयप्रकाश मौर्य को भी कोयला घोटाले में आरोपी बनाया गया है। यह सिर्फ झारखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के आदिवासी बहुल राज्यों का मामला नहीं है। बिहार में भी आईएएस अधिकारी संजीव हंस जेल में बंद हैं। यह बिल्कुल नई परिघटना है। इसका एक नतीजा यह हुआ है कि नेताओं की तरह अधिकारियों की छवि भी आम लोगों की नजर में खराब हो रही है।

सुशील भोले

कोंदा-भैरा के गोठ

मानसून के मयारुक बरखा संग जब प्रकृति नाचे अउ हरियाए लगथे तब एक विशेष किसम के मेचका मन घलो चटकदार पिंवरा रंग म दिखे लगथे जी भैरा.. अइसे जनाथे जस ए मन कोनो सुग्घर खेलौना आयँ.

-हव जी कोंदा.. तरिया, नँदिया, झील झरना, ढोंड़गी नरवा मन तीर महूँ अइसने आकब करे हावौं.. आम बोलचाल के भाखा म हमन ए मनला घिंधोल कहि देथन ना?

-हव.. हर बछर ए मन दिखथें.. वैज्ञानिक मन के भाखा म ए मनला 'इंडियन बुल फ्रॉग' कहे जाथे.. जीव विज्ञान के प्रोफेसर डॉ. शैल जोशी जी बताइन के ए मन नर मेचका होथें, जे मन मादा मेचकी मनला आकर्षित करे बर बछर म एक पइत रंग बलदथें अउ खास किसम के आवाज निकालथें.

-गजब हे संगी.!

-हव.. मादा मेचकी मन म अइसन रंग बलदे के गुण नइ राहय.. बरखा के दिन ह एकर मन के प्रजनन काल के बेरा होथे, तेकर सेती प्राकृतिक रूप ले ए मन अइसन करथें.. ए ह जेनेटिक बदलाव होथे.

-प्रकृति ह अपन सरलग संचालन खातिर जम्मो जीव जगत ल कुछू न कुछू खास गुण अउ समझ दिए हावय न.

डॉ. मुखर्जी ने दिया; एक निशान एक संविधान और एक प्रधान का नारा

छगन लोनहारे, उप संचालक जनसंपर्क

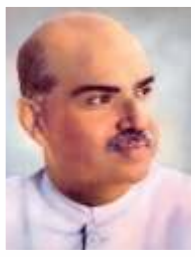

लम्हों ने खता की और सदियों ने सजा पाई ऐसे में बरबस डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का पुण्य स्मरण हो जाता है जिन्होंने कश्मीर को भारत का अखंड अंग बनाने की पुरजोर वकालत की थी और उसके लिए अपने प्राणों का शेख अब्दुला की जेल में उत्सर्ग कर दिया। डॉ. श्यामा प्रसाद का बलिदान आज इतिहास के पन्नों पर दर्ज है। जम्मू-कश्मीर जो भारत का मुकुट और दुनिया की जन्नत रही है आज उग्रवाद आतंकवाद के कारण लहुलुहान है। डॉ. मुखर्जी पहले व्यक्ति थे जिन्होंने यह कल्पना की थी कि विभाजन की पीड़ा नासूर बनेगी फिर तुष्टिकरण की नीति का अंत नहीं होगा। एक निशान एक संविधान और एक प्रधान का नारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने दिया। भारत के दूसरे राज्यों के लोग जम्मू-कश्मीर में जमीन नहीं खरीद सकते थे। यह जम्मू-कश्मीर पर लागू नहीं होता था। जम्मू-कश्मीर को अनुच्छेद 370 और 35ए द्वारा दिए गए विशेष दर्जे को हटाने के लिए भारतीय संसद ने 5 अगस्त, 2019 को मंजूरी दी।

राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के शिल्पी डॉ. मुखर्जी की अनन्य राष्ट्र भक्ति की गौरव गाथा ऐतिहासिक है। उनकी जिद के कारण पाकिस्तान के रूप में संपूर्ण पंजाब और बंगाल तश्तरी में भेंट नहीं किया जा सका। लेकिन जम्मू कश्मीर को दोहरे मापदण्डों में लाकर भारत और उसके मुकुट प्रदेश को लहुलुहान होने को छोड़ दिया नतीजा आज हमारे सामने है। वे जीवन पर्यन्त जम्मू कश्मीर भारत विलय और अखंडता के लिए संघर्ष करते रहे। भारत के मुकुट प्रदेश जम्मू कश्मीर के मर्म को डॉ. मुखर्जी ने देश की आजादी के दौरान ही समझ लिया था। राष्ट्रीय एकता अखंडता के प्रतीक और भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई सन 1901 को कलकत्ता के आशुतोष मुखर्जी के यहां हुआ था। भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने शुरू से ही अनुच्छेद 370 का विरोध किया। उन्होंने इसके खिलाफ लड़ाई लड़ने का बीड़ा उठाया था। उन्होंने कहा था कि इससे भारत छोटे-छोटे टुकड़ों में बंट रहा है। मुखर्जी ने इस कानून के खिलाफ भूख हड़ताल की थी। वो जब इसके खिलाफ आन्दोलन करने के लिए जम्मू-कश्मीर गए तो उन्हें वहां घुसने नहीं दिया गया। वे गिरफ्तार कर लिए गए थे। 23 जून 1953 को हिरासत के दौरान ही उनकी रहस्यमय ढंग से मृत्यु हो गई। भवानीपुर इंस्टीट्यूट में उन्होंने शिक्षा ग्रहण की और सन 1917 में प्रथम श्रेणी में मेट्रिक पास हुए। प्रेसीडेंसी कॉलेज में प्रवेश लेकर सेन 1921 में बी ए की पदवी प्राप्त की।

उन्होंने वर्ष 1923 में बांग्ला में एम ए की उपाधि ली और फिर लॉ की भी डिग्री हासिल की। वर्ष 1926 में वे इंग्लैण्ड से बैरिस्टर होकर स्वदेश लौटे। उनकी विद्वता के लिए इतना कहना पर्याप्त होगा कि वे 33 वर्ष की आयु में कलकत्ता विश्व विद्यालय के उप कुलपति पद से सम्मानित किए गए। डॉ. मुखर्जी सन 1942 में बंगाल प्रांत के हक मंत्रीमंडल से इस्तीफा देकर स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में कूद पड़े। डॉ. मुखर्जी के उस भाषण पर गौर किए जाने की आवश्यकता है जो उन्होंने 26 जून सन 1952 को संसद में दिया था उन्होंने कहा था जब भारत आजाद है और जम्मू कश्मीर का उसमें संवैधानिक विलय हो चुका है तो जम्मू कश्मीर के जनमानस को वही अधिकार क्यों नहीं जो सारे भारत के नागरिक को दिए गए हैं। एक निशान एक संविधान और एक प्रधानमंत्री का नारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने दिया।

कह चुके थे धारा 370 क्षेत्रीय अखंडता में बाधक

उन्होंने कहा था कि जम्मू कश्मीर के लिए विशेष धारा 370 स्थायी रूप से नहीं रह सकती है क्योंकि स्थायी होने पर वह क्षेत्रीय अखंडता में बाधक होगी परंतु डॉ. मुखर्जी की दूरदर्शिता लोगों को रास नहीं आयी। डॉ. मुखर्जी मई 1953 को जम्मू कश्मीर में दोहरी राजनैतिक व्यवस्था संवैधानिक विसंगति को दूर करने निकल पड़े। तब जम्मू कश्मीर में प्रवेश के लिए परमिट लेना अनिवार्य था। जनसंघ और उसके संस्थापक डॉ. मुखर्जी को यह बर्दाश्त नहीं था। डॉ. मुखर्जी की बिना परमिट जम्मू कश्मीर यात्रा को समझने तत्कालीन विसंगतियां समझी जा सकती है। जम्मू कश्मीर में प्रजा परिषद के आंदोलन को गति देने और दोहरी व्यवस्था समाप्त करने की खातिर डॉ मुखर्जी ने अपनी यात्रा को दृढ़तापूर्वक जारी रखा उन्हें पंजाब सीमा पर गिरफ्तार नहीं किया गया। जम्मू जाने दिया गया और माधोपुर पर रावी नदी का पुल पार करते ही डॉ. मुखर्जी को जम्मू कश्मीर प्रशासन ने उन्हें गिरफ्तार कर श्रीनगर में निरुद्ध कर लिया। यदि उन्हें पंजाब सीमा पर बंदी बनाया जाता हो उन्हें मुक्त कराने के लिए जनता द्वारा आवाज उठायी जा सकती थी दोहरी शासन व्यवस्था के कारण जम्मू कश्मीर में गिरफ्तार कर लिया गया।

राष्ट्रवादी चिंतक, विचारक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के साथ किया गया यह सलूक एक अनकही दुखद कहानी है। इस षड़यंत्र में ही डॉ. श्यामा प्रसाद का प्राणांत श्रीनगर जेल में हो गया। आगरा में पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी और जनरल परवेज मुशर्रफ के बीच हुई वार्ताओं में दोनों देशों के बीच अमन चैन एवं सहयोग बढ़ाने के साथ पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर पर भी रहा है। ऐसे में बरबस डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का पुण्य स्मरण हो जाता है जिन्होंने जम्मू कश्मीर के इस मर्म को पहले ही समझ लिया था और जीवन पर्यन्त जम्मू कश्मीर का भारत विलय एवं अखंडता के लिए संघर्ष किया। डॉ. मुखर्जी ने जम्मू कश्मीर की धरती पर जिस तरह अंतिम सांस ली वह उनकी अनन्य राष्ट्रभक्ति की गौरवगाथा का इतिहास बन चुकी है।

पर्यावरण के रचनात्मक प्रशासन के जरिए हरित बदलाव

भूपेंद्र यादव

केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री

पर्यावरण कुजनेट्स वक्र (एनवायरनमेंट कुजनेट्स कर्व) से हासिल पर्यावरण के प्रशासन से जुड़ा पारंपरिक ज्ञान यह मानता है कि देश पहले विकास करते हैं और बाद में सफाई में जुटते हैं। यह अनुभवजन्य अंतर्दृष्टि अब विकसित हो चुके उन देशों के अनुभवों से प्रेरित है, जिन्होंने विकास की प्रक्रिया में संसाधन संबंधी जरूरतों को पूरा करने हेतु देश और विदेश में प्राकृतिक पर्यावरण का दोहन किया। लेकिन ऐसी सुविधा भारत जैसे देशों को नसीब नहीं है, जिन्हें अपनी विशाल आबादी की विकास संबंधी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अभी भी तेज गति से विकास करने की जरूरत है।

जब 2014 में एनडीए सत्ता में आई, तो चुनौती हमारे दूरदर्शी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मूल सिद्धांतों – "सुधार, प्रदर्शन और बदलाव" - पर आधारित विकास एवं प्रगति को गति देने की थी। इन सिद्धांतों में जरूरत के हिसाब से पर्यावरण की सुरक्षा के सख्त उपायों से समझौता किए बिना 'व्यवसाय करने में आसानी' की सुविधा प्रदान करते हुए तेजी गति से विकास करना शामिल था। आज 2025 में, हम न सिर्फ इस चुनौती से निपट पाने में सफल रहे हैं बल्कि हमने शासन का एक ऐसा मॉडल तैयार किया है जिसे सारी दुनिया ने माना है। प्रधानमंत्री मोदी का दृष्टिकोण बिल्कुल साफ था: इस प्रणाली को एक ऐसी प्रणाली में बदला जाए जो "इकोलॉजी और अर्थव्यवस्था" दोनों के लिए फायदेमंद हो।

वर्ष 2014 में 'स्वच्छ भारत मिशन' की शुरुआत हमारी पहली बड़ी पहल थी। यह पहल स्वच्छता से आगे बढ़कर कचरे के प्रबंधन व पर्यावरण के संरक्षण के लिए एक व्यापक ढांचा स्थापित करने तक जा पहुंची। इस मिशन ने पर्यावरण से जुड़ी चिंताओं को सामाजिक विकास के साथ जोड़ने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाया। इस मिशन को सभी नागरिकों को शामिल करते हुए एक जन आंदोलन के रूप में शुरू किया गया था और एक स्वच्छ एवं संसाधन के मामले में अपेक्षाकृत अधिक कुशल भारत की चाहत को आगे बढ़ाया गया था। विभिन्न शहरों में नागरिकों को पारदर्शी तरीके से वास्तविक समय में वायु की गुणवत्ता की निगरानी से जुड़ी सुविधा प्रदान करने के तुरंत बाद राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता सूचकांक का शुभारंभ किया गया। वर्ष 2014 में शुरू की गई 'मेक इन इंडिया' पहल में भी कड़े पर्यावरण अनुपालन मानकों को शामिल किया गया। इससे यह साबित हुआ कि हम इकोलॉजी की स्थिरता को बनाए रखते हुए मैन्यूफैक्चरिंग को अपेक्षाकृत बड़े पैमाने पर और तेज गति से बढ़ावा दे सकते हैं। ऊर्जा संबंधी दक्षता को बढ़ावा देने और ऊर्जा पर आधारित अधिक संख्या में उद्योगों को शामिल करने के उद्देश्य से 2015 में प्रदर्शन, उपलब्धि और व्यापार (पीएटी) योजना का विस्तार किया गया। इससे ऊर्जा संबंधी दक्षता के लिए एक बाजार-आधारित तंत्र का निर्माण हुआ। कचरे के कारगर प्रबंधन, संसाधन संबंधी दक्षता में बढ़ोतरी और चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 2016 से कचरे के प्रबंधन के सभी प्रमुख नियमों को नियमित रूप से अद्यतन किया जा रहा है। इस दृष्टिकोण का बुनियादी सिद्धांत बाजार आधारित तंत्र और "प्रदूषक द्वारा भुगतान के सिद्धांत" पर आधारित विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व से जुड़े ढांचे पर निर्भरता में निहित है। प्लास्टिक कचरा प्रबंधन नियम, ई-कचरा प्रबंधन नियम तथा टायर, बैटरी एवं प्रयुक्त तेल अपशिष्ट प्रबंधन नियम आदि इन्हीं सिद्धांतों के आधार पर तैयार किए गए थे। इससे एक ऐसे इकोसिस्टम का निर्माण हुआ, जिसके तहत विभिन्न सामग्रियों के लगभग 4,000 पुनर्चक्रणकर्ताओं को पंजीकृत पुनर्चक्रणकर्ताओं के रूप में अनौपचारिक क्षेत्र से हटाकर औपचारिक क्षेत्र में लाया गया है।

इस कदम से वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 1600 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ है। वर्ष 2022 में शुरू किए गए विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) पोर्टल चक्रीय अर्थव्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कुल 61,055 उत्पादकों ने प्लास्टिक पैकेजिंग, ई-कचरा, बेकार टायर, बैटरी के कचरे और प्रयुक्त तेल के क्षेत्र में काम करने हेतु ईपीआर पोर्टल पर पंजीकरण कराया है। अपशिष्ट नियम, 2022 के प्रकाशन और ईपीआर पोर्टल की शुरूआत के बाद, शोधित अपशिष्ट की मात्रा वित्तीय वर्ष 2024-25 में इन नियमों के प्रकाशन से पहले 3.6 एमएमटी प्रति वर्ष की तुलना में बढ़कर 127.48 एमएमटी प्रति वर्ष हो गई है। यह सभी हितधारकों के सहयोग एवं समर्थन से संभव हुआ है।

साप्ताहिक शहर सत्ता

मराठी ने बना दी जोड़ी!

ठाकरे ब्रदर्स ने मिलाए हाथ, जानें महाराष्ट्र की सियासत में इसके क्या मायने

महाराष्ट्र की राजनीति में एक ऐसा दृश्य सामने आया, जिसने बीते दो दशकों की दूरियों को मिटा दिया. चचेरे भाई राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे, जो वर्षों से अलग राह पर चल रहे थे, अब एक साथ एक ही मंच पर नजर आए. इसे सिर्फ एक राजनीतिक मुलाकात नहीं, बल्कि मराठी अस्मिता और सांस्कृतिक पहचान की लड़ाई में एक ऐतिहासिक मोड़ बताया जा रहा है.

मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने मंच से कहा,'जो बाला साहेब ठाकरे नहीं कर पाए, वह मुख्यमंत्री फडणवीस ने कर दिखाया.' राज ठाकरे ने तीन-भाषा नीति को लेकर सवाल उठाते हुए कहा, 'आप यह तीन भाषा फॉर्मूला कहां से लेकर आए? यह तो केवल केंद्र सरकार से आया है. आज हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में सब कुछ अंग्रेजी में चलता है. ऐसा किसी और राज्य में नहीं होता. फिर केवल महाराष्ट्र में क्यों? जब महाराष्ट्र जागेगा, तब देखना क्या होता है.' यह बयान तब आया जब मनसे और शिवसेना (UTB) दोनों ने इस बात का श्रेय लिया कि उन्होंने देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार को कक्षा 1 से हिंदी को तीसरी अनिवार्य भाषा के रूप में लागू करने के फैसले को वापस लेने पर मजबूर कर दिया.

क्यों साथ आए राज और उद्धव ठाकरे?

मुंबई में हुई विजय रैली के दौरान उद्धव ठाकरे ने मनसे के साथ आगामी स्थानीय निकाय चुनाव, विशेषकर बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव में गठबंधन का संकेत दिया. उद्धव ने कहा,'हम एक साथ आए हैं और एक साथ रहेंगे. आज इस मंच पर हमारा एक होना, हमारे भाषणों से भी ज्यादा अहम है. राज ने जो भाषण दिया, उसके बाद मुझे कुछ कहने की जरूरत ही नहीं रही.' इससे पहले भी उद्धव ने राज ठाकरे के साथ संभावित गठबंधन की ओर इशारा करते हुए कहा था, 'मैं महाराष्ट्र के हित में आगे आने को तैयार हूं. मैंने पुराने झगड़ों को खत्म कर दिया है. महाराष्ट्र का हित मेरी प्राथमिकता है.' राज ठाकरे ने भी इसी भावना को दोहराते हुए कहा, 'हमारा एक साथ आना मुश्किल नहीं है. हमारे बीच का फासला महाराष्ट्र और मराठी लोगों के अस्तित्व पर भारी पड़ रहा है.'

तीन-भाषा नीति विवाद

फडणवीस सरकार ने 16 अप्रैल को एक सरकारी प्रस्ताव (Government Resolution – GR) जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि हिंदी को पहली से पांचवीं कक्षा तक तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य बनाया जाएगा, चाहे छात्र अंग्रेजी माध्यम में पढ़ते हों या मराठी में. इस घोषणा के बाद से ही मनसे और शिवसेना (यूबीटी) दोनों ने इसका विरोध किया. उद्धव ठाकरे ने इसे आपातकाल जैसी घोषणा बताया, जबकि राज ठाकरे ने इसे हिंदी थोपने की गतिविधि कहते हुए स्कूलों से इसका पालन न करने की अपील की. इस तेज विरोध के बाद सरकार को 29 जून को यह निर्णय वापस लेना पड़ा. सरकार ने शिक्षाविद् डॉ. नरेंद्र जाधव की अध्यक्षता में एक समिति गठित की, जो तीन महीने में इस नीति की समीक्षा कर रिपोर्ट देगी. इस पूरे मुद्दे ने अब "मराठी अस्मिता" का रूप ले लिया है और कुछ कार्यकर्ताओं द्वारा हिंदी भाषियों को धमकाने की घटनाएं भी सामने आई हैं.महाराष्ट्र के कई नगर निगमों, विशेषकर मुंबई में जल्द ही स्थानीय निकाय चुनाव होने वाले हैं. मनसे और शिवसेना (यूबीटी) के साथ आने से अब बीजेपी के विजय अभियान को संयुक्त रूप से रोकने की संभावना बढ़ गई है. दोनों पार्टियां 'प्राकृतिक सहयोगी' हैं क्योंकि उनकी राजनीतिक विरासत बालासाहेब ठाकरे से जुड़ी है।

तमिलनाडु के पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 8 की मौत; 5 घायल

शिवकाशी। तमिलनाडु के शिवकाशी में एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट का बड़ा एक मामला सामने आया है. इस विस्फोट में आठ लोगों की मौत हो गई जबकि पांच अन्य घायल हो गए. उन्हें इलाज के लिए विरुधुनगर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया. हादसे के कारणों का पता नहीं चल सका है. हादसे के बाद राहत बचाव अभियान चलाया गया. तमिलनाडु के शिवकाशी के पास चिन्नाकामनपट्टी में स्थित एक पटाखा फैक्ट्री में मंगलवार सुबह अचानक धमाका हो गया. विस्फोट इतना जोरदार था कि पूरा इलाका दहल उठा. इसकी आवाज दूर तक सुनाई दी. लोगों ने आग का बवंडर भी देखा. देखते ही देखते वहां चीख पुकार मच गई. घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और राहत बचाव दल पहुंचे. इस दौरान स्थानीय लोग भी एकत्र हुए और घायलों को बचाने में मदद की. विस्फोट में आठ लोगों की मौत हो गई जबकि 5 अन्य घायल हो गए. उन्हें इलाज के लिए विरुधुनगर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया. पुलिस प्रशासन घटनास्थल पर पहुंच कर बचाव अभियान को तेज किया. ये फैक्टरी अवैध रूप से चलाया जा रहा था या इसके पास लाइसेंस था इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है. वहीं घटना के समय कितने लोग थे इसका भी पता नहीं चल सका है.

पैतृक संपत्ति मामले में सैफ को हाईकोर्ट से मिला झटका

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति संजय द्विवेदी की एकलपीठ ने अभिनेता सैफ अली खान और उनके परिवार की 15 हजार करोड़ की पैतृक संपत्ति के मालिकाना मामले में भोपाल ट्रायल कोर्ट के दो दशक पुराने फैसले को निरस्त कर दिया है। ट्रायल कोर्ट ने सैफ अली खान, उनकी मां शर्मिला टैगोर और उनकी बहनों को संपत्तियों का मालिक माना था। हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट को पुन: सुनवाई कर एक वर्ष के भीतर मामले का निपटारा करने के लिए निर्देशित किया है। मामला नवाब हमीदुल्लाह से संबंधित है, जो भोपाल रियासत के अंतिम शासक थे। उनकी तीन बेटियों में से एक साजिदा ने इफ्तिखार अली खान पटौदी से विवाह किया और उनके बेटे मंसूर अली खान पटौदी, जो भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रहे, ने शर्मिला टैगोर से विवाह किया। नवाब की सबसे बड़ी बेटी आबिदा के पाकिस्तान चले जाने के बाद साजिदा इन संपत्तियों की मालिक बन गईं। इस मामले में दो अपीलें दायर की गई थीं, जिनमें से एक बेगम सुरैया राशिद और दूसरी नवाब मेहर ताज साजिदा सुल्तान द्वारा की गई थी।

केरल में तेजी से फैल रहा निपाह वायरस

तिरुवनंतपुरम। केरल में निपाह वायरस ने कहर बरपाया हुआ है। इसके चलते 425 लोगों पर निगरानी रखी गई है। इस बात की पुष्टि राज्य के स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने की। उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा 228 लोग मलप्पुरम जिले में पलक्कड़ में 110 और कोझिकोड में 87 लोग निगरानी में रखे गए हैं। एक शख्स का टेस्ट नेगेटिव आया है। प्रभावित इलाकों में व्यापक निगरानी और रोकथाम के उपाय शुरू कर दिए गए हैं। मलप्पुरम में इस प्रकोप का पता लगाने और आगे फैलने से रोकने के लिए फील्डवर्क शुरू कर दिया गया है।

मक्करापारम्बा, कुरुवा, कूट्तिलांगडी और मांकडा की पंचायतों के 20 वार्डों में निगरानी अभियान चलाया गया है। कुल 65 टीमों ने घर-घर जाकर जागरुकता अभियान चलाया और 1655 घरों का दौरा किया। इस टीम का नेतृत्व डॉ. एनएन पामीला ने किया और सीके सुरेश कुमार, एम. शाहुल हमीद और डॉ. किरण राज ने सपोर्ट किया।

एलन मस्क अमेरिका में बनाएंगे तीसरी बड़ी पार्टी

वाशिंगटन। अरबपति उद्योगपति एलन मस्क ने ऐलान कर दिया है कि अब वो अमेरिका में तीसरी बड़ी पॉलिटिकल पार्टी बनाने जा रहे हैं. उन्होंने X पर पोस्ट कर इसका ऐलान कर दिया है. उन्होंने अमेरिका के टू पार्टी सिस्टम को सीधे तौर पर चुनौती दी है. मस्क के इस कदम से रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स दोनों ही टेंशन में आ गए हैं.

एलन मस्क ने पार्टी की घोषणा उस समय पर की, जब मस्क और डोनाल्ड ट्रंप के बीच सार्वजनिक और राजनीतिक दृष्टिकोण में गंभीर मतभेद सामने आए थे. अब, यह नई पार्टी एक संभावित गेमचेंजर के रूप में उभर रही है. मस्क की पार्टी टेक्नोलॉजी-लवर, स्वतंत्रता समर्थक और एंटी-एस्टैब्लिशमेंट वोटर्स को आकर्षित कर सकती है. ये वही वर्ग हैं जो थोड़-बहुत ट्रंप के भी समर्थक माने जाते हैं. मस्क की छवि एक ऐसे नेता की बन रही है, जो पारंपरिक राजनीति से हटकर कुछ नया करने का वादा करता है। अगर मस्क की पार्टी प्रमुख चुनावों में उम्मीदवार उतारती है तो यह रिपब्लिकन पार्टी के वोट बैंक को विभाजित कर सकती है. खासकर उन राज्यों में जहां चुनाव का अंतर बहुत कम होता है. यहां थोड़े से वोटों का हेरफेर भी नतीजों को बदल सकता है.यह स्थिति उतनी सीधी नहीं जितनी दिखती है. अगर अमेरिका पार्टी का समर्थन ऐसे मतदाताओं को मिलता है, जो डेमोक्रेट्स को वोट नहीं देना चाहते, लेकिन रिपब्लिकन से भी असंतुष्ट हैं तो यह ट्रंप के लिए एक तरह से प्रेशर वॉल्व का काम कर सकती है।

नीरव मोदी का भाई अमेरिका में गिरफ्तार

वाशिंगटन। भारत का भगोड़ा नीरव मोदी का भाई नेहाल दीपक मोदी अमेरिका में गिरफ्तार हो गया है। भारत के लिए इसे बड़ी सफलता के तौर पर देखा जा रहा है। अमेरिकी न्याय विभाग ने भारतीय अधिकारियों को सूचित किया है कि भगोड़े आर्थिक अपराधी नीरव मोदी के भाई नेहाल मोदी को अमेरिका में 4 जुलाई को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह गिरफ्तारी भारत के प्रवर्तन निदेशालय (E D) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) द्वारा संयुक्त रूप से दायर प्रत्यर्पण अनुरोध के आधार पर की गई है। नीरव मोदी के साथ ही नेहाल मोदी पर भी पंजाब नेशनल बैंक से हजारों करोड़ रुपये के घोटाले के आरोप हैं। सीबीआई और ईडी की जांच के मुताबिक नीरव मोदी के इस स्कैम को अंजाम देने में उसके भाई नेहाल मोदी ने अहम रोल निभाया था। नीरव मोदी के प्रत्यर्पण की कोशिश भी जांच एजेंसियां यूके से कर रही हैं।

900 करोड़ के फाइटर जेट की धक्का परेड...

ब्रिटेन के F-35 लड़ाकू विमान को खींचकर हैंगर में ले जाने का वीडियो वायरल

ब्रिटेन की रॉयल नेवी का एफ-35बी स्टेल्थ फाइटर जेट जो पिछले तीन हफ्तों से तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर खराबी के कारण खड़ा था, अब उसे रनवे से हटाकर हैंगर में शिफ्ट कर दिया गया है. एफ-35 बी के हैंगर में शिफ्टिंग का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.

नई इंजीनियर टीम भारत पहुंची

अब जेट को भारत में ही ठीक किया जाएगा या वापस ब्रिटेन भेजा जाएगा, इसका फैसला एक नई इंजीनियर टीम करेगी, जो एयरबस A400M एटलस विमान से भारत पहुंच चुकी है. अगर मरम्मत संभव नहीं हुई तो इसे खोलकर C-17 ग्लोबमास्टर सैन्य विमान से वापस ले जाया जाएगा. एफ-35बी की कीमत 110 मिलियन डॉलर (करीब 900 करोड़ रुपये) से ज्यादा है और इसे दुनिया के सबसे महंगे फाइटर जेट्स में गिना जाता है. इसमें इस्तेमाल की गई स्टेल्थ तकनीक को बेहद गोपनीय माना जाता है. जेट के हर हिस्से को खोलने और पैक करने की प्रक्रिया ब्रिटिश मिलिट्री की सख्त निगरानी में होती है.

पहले भी हो चुका है ऐसा ऑपरेशन

साल 2019 में पहली बार एक एफ-35 को पंख हटाकर C-17 विमान से फ्लोरिडा से यूटा भेजा गया था. ऐसे किसी भी ऑपरेशन में हर पुर्जे को सुरक्षा कोड दिया जाता है ताकि तकनीकी चोरी रोकी जा सके. स्टेल्थ तकनीक लीक होने से सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर गंभीर खतरे पैदा हो सकते हैं. जेट को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) की सुरक्षा में हवाई अड्डे के बे 4 में पार्क किया गया था. शुरुआत में ब्रिटिश रॉयल नेवी ने केरल में मानसून की बारिश के बावजूद, जेट को हैंगर में ले जाने के एयर इंडिया के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था. बाद में ब्रिटिश नौसेना ने जेट को हैंगर में ले जाने पर सहमति जताई.

बर्मिंघम में भारत की ऐतिहासिक जीत

इंग्लैंड को 336 रन से हराया, आकाशदीप दूसरी पारी के हीरो

नई दिल्ली। एजबेस्टन के मैदान पर खेले जा रहे 'एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफ़ी' के दूसरे टेस्ट मैच में भारत ने इंग्लैंड को 336 रन से हरा दिया है. इसके साथ ही पांच मैचों की टेस्ट सिरीज़ में भारत ने 1-1 से बराबरी कर ली है. आईसीसी ने एक्स पर पोस्ट कर इसे एक शानदार जीत बताया है. आईसीसी के मुताबिक़, यह विदेशी ज़मीन पर टेस्ट में भारत की सबसे बड़ी जीत, एजबेस्टन में भारत की पहली टेस्ट जीत और शुभमन गिल की कप्तान के तौर पर पहली टेस्ट जीत है.

इंग्लैंड की दूसरी पारी 271 रन पर सिमट गई. भारत के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की बल्लेबाज़ी लड़खड़ा गई और उसके विकेट लगातार गिरते चले गए. जैक क्रावली दूसरे ही ओवर में बिना खाता खोले मोहम्मद सिराज की गेंद पर कैच दे बैठे. इसके बाद बेन डकेट और जो रूट को आकाश दीप ने जल्दी ही पवेलियन भेज दिया. दूसरी पारी में भारत की तरफ़ से आकाश दीप ने सबसे ज़्यादा 6 विकेट लिए. इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते भारत ने शानदार खेल दिखाया था. पहली पारी में यशस्वी जायसवाल ने 87 रन की सधी हुई पारी खेली, जबकि कप्तान शुभमन गिल ने पहली पारी में 387 गेंदों पर 269 रन बनाए. इसमें 30 चौके और तीन छक्के शामिल थे. रवींद्र जडेजा ने भी 89 रन जोड़कर भारत को मज़बूत स्थिति में पहुंचा दिया. भारत ने पहली पारी में कुल 587 रन बनाए. इंग्लैंड के लिए शोएब बशीर ने सबसे ज़्यादा तीन विकेट हासिल किए.

इंग्लैंड की पहली पारी भी जल्दी बिखर गई थी. सिर्फ 84 रन तक इंग्लैंड की आधी टीम आउट हो चुकी थी. यहां से हैरी ब्रुक (158 रन) और विकेटकीपर जैमी स्मिथ (नाबाद 184 रन) ने तेज़ क्रिकेट खेलकर पारी को संभाला और इंग्लैंड को 407 तक पहुंचा दिया. भारत की तरफ़ से पहली पारी में मोहम्मद सिराज ने सबसे ज़्यादा 6 विकेट लिए जबकि आकाश दीप को 4 विकेट मिले.व भारत ने दूसरी पारी में तेज़ बल्लेबाज़ी की. गिल ने 162 गेंदों पर 161 रन बनाए, जिसमें 13 चौके और आठ छक्के शामिल थे. वहीं केएल राहुल ने 55 और ऋषभ पंत ने 65 रन जोड़े. जडेजा ने भी दूसरी पारी में 69 रन बनाए. भारत ने 6 विकेट पर 427 रन बनाकर पारी घोषित की और इंग्लैंड को 608 रन का मुश्किल लक्ष्य दिया.

शुभमन गिल ने तोड़े कई रिकार्ड

इंग्लैंड के ख़िलाफ़ इस सिरीज़ में शुभमन गिल ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं. किसी एक टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड बतौर भारतीय बल्लेबाज़ अब उनके नाम है. दूसरे टेस्ट की पहली पारी में अपने दोहरे शतक के साथ उन्होंने इस मैच में कुल 430 रन बनाए. इससे पहले सुनील गावस्कर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 1971 में 344 रन और वीवीएस लक्ष्मण ने ऑस्ट्रेलिया के सामने 2001 में 340 रन बनाए थे. इस कड़ी में सौरव गांगुली का नाम भी शामिल है जिन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 2007 में एक टेस्ट में 330 रन बनाए थे. वीरेन्द्र सहवाग ने 2008 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 319 रन बनाए थे. गिल के सिरीज़ में अब तक 585 रन हो चुके हैं और बतौर कप्तान अपनी पहली टेस्ट सिरीज़ में यह किसी भारतीय बल्लेबाज़ का सबसे बड़ा स्कोर है. इससे पहले विराट कोहली ने 2014-15 में ऑस्ट्रेलिया में 449 रन बनाए थे. गिल ने इस पारी में एक और रिकॉर्ड अपने नाम किया. वह विश्व क्रिकेट में ऐसे दसवें बल्लेबाज़ बन गए हैं जिन्होंने एक ही टेस्ट मैच में दोहरा शतक और शतक जड़ा. इस लिस्ट में दूसरा भारतीय नाम सुनील गावस्कर का है, जिन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ पोर्ट ऑफ स्पेन में 1971 में हुए टेस्ट में पहली पारी में 124 और दूसरी में 220 रन बनाए थे.

1 अगस्त से ट्रंप लगाने जा रहे 100 देशों पर नया टैरिफ

वाशिंगटन। अमेरिका 1 अगस्त, 2025 से लगभग 100 देशों से आयात पर 10 परसेंट रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने जा रहा है.

अधिकारियों का मानना है कि इससे बड़े पैमाने पर ग्लोबल ट्रेड पॉलिसी को रीसेट किया गया है. अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने इसे कन्फर्म करते हुए कहा कि बेसलाइन टैरिफ व्यापक रूप से लागू होने जा रहा है. यह उन देशों पर भी लागू हो रहा है, जो मौजूदा समय में टैरिफ को लेकर अमेरिका के साथ बातचीत कर रहे हैं. बेसेंट ने ब्लूमबर्ग टेलीविजन से बात करते हुए कहा, "अब देखना है कि राष्ट्रपति का रूख उनके प्रति कैसा होता है, जिनकी उनसे इस वक्त बातचीत कर रहे हैं. क्या वह इस बात से खुश है कि ये देश आपसी हित को ध्यान में रखते हुए बात कर रहे हैं. हम लगभग 100 देशों पर मिनिमम 10 परसेंट का रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने जा रहे हैं और आगे रेट यहीं से बढ़ाया जाएगा." इस बीच राष्ट्रपति ट्रंप ने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा, उन्होंने 12 देशों से 'Take it or leave it' फ्रेमवर्क के तहत टैरिफ के नए रेट्स वाले पेपर्स पर साइन कराया है।

वैभव सूर्यवंशी का धमाल, भारत ने इंग्लैंड को उसके घर में चटाई धूल

लंदन। वैभव सूर्यवंशी और विहान मल्होत्रा की शानदार शतकीय पारी और इसके बाद भारतीय गेंदबाजों की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत भारतीय अंडर-19 टीम ने चौथे वनडे मैच में इंग्लैंड को 55 रनों से हरा दिया है. इसी के साथ भारतीय टीम ने पांच मैचों की वनडे सीरीज पर कब्जा भी जमा लिया है. भारतीय टीम ने इस जीत के साथ सीरीज में 3-1 की बढ़त हासिल कर ली है.

वैभव सूर्यवंशी का तूफानी शतक

वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड के खिलाफ तूफानी शतक लगाया. वैभव ने सिर्फ 52 गेंदों में ही शतक ठोक दिया. वैभव ने 78 गेंदों में 143 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली. इस पारी के दौरान वैभव ने 13 चौके और 10 छक्के लगाए. वैभव ने लगभग 184 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए. वैभव के बाद विहान मल्होत्रा ने भी जबरदस्त शतक लगाया. विहान ने 121 गेंदों में 129 रनों की पारी खेली. विहान ने अपनी पारी के दौरान 15 चौके और तीन छक्के लगाए. विहान ने लगभग 107 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए.

वैभव और विहान के बीच जबरदस्त साझेदारी हुई. भारतीय टीम ने 14 के स्कोर पर ही अपना पहला विकेट गंवा दिया. इसके बाद वैभव और विहान ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए रिकॉर्ड 219 रनों की साझेदारी की, जिसकी वजह से भारतीय टीम ने 50 ओवरों में इंग्लैंड के सामने 364 रनों का लक्ष्य रखा. वैभव-विहान के अलावा किसी और खिलाड़ी ने भारत के लिए बड़ी पारी नहीं खेली. इन दोनों के बाद सबसे ज्यादा रन अभिज्ञान कुंडु ने बनाए।

कम हो सकती है पेट्रोल-डीजल की कीमत

नई दिल्ली। ओपेक+ अगस्त के महीने से तेल की सप्लाई बढ़ाने जा रहा है. इसके 8 सदस्यों ने कच्चे तेल की सप्लाई 548,000 बैरल प्रतिदिन बढ़ाने पर सहमति जताई है. इससे पहले ओपेक ने मई, जून और जुलाई में क्रूड ऑयल की सप्लाई में 411,000 बैरल की बढ़ोतरी की घोषणा की थी.

ओपेक+ के इस फैसले का मकसद बढ़ती मांग को पूरा करने के साथ-साथ कच्चे तेल की कीमतों में कमी लाना है. ओपेक+ के इस फैसले का असर दुनिया भर के बाजारों में देखने को मिलेगा. भारत में भी तेल की कीमतें कम हो सकती हैं. भारत अपनी तेल की जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा आयात करता है और ओपेक इसका एक प्रमुख सप्लायर है. हाल ही में ओपेक+ में शामिल देशों ने अगस्त से पहले अपना प्रोडक्शन बढ़ाने का फैसला लिया. एक्सपर्ट्स का कहना है कि अचानक तेल का प्रोडक्शन बढ़ने से कीमतों में और कमी आ सकती है. इससे भारत में भी पेट्रोल, डीजल और दूसरे पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की कीमतों में भी राहत मिल सकती है.

भारत का UPI दुनिया में मचा रहा धमाल

भारत का डिजिटल पेमेंट सिस्टम पूरी दुनिया में मशहूर होता जा रहा है. अब UPI यानि यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस को अपनाने वाले देशों की लिस्ट में त्रिनिदाद और टोबैगो का भी नाम जुड़ गया. इसी के साथ ये UPI को अपनाने वाले पहले कैरेबियाई देश बन गए हैं. यानी कि अब से यहां भी किसी चीज के लेनदेन पर यूपीआई के जरिए पेमेंट किया जा सकेगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भीम ऐप के जरिए डिजिटल ट्रांजैक्शन सिस्टम अपनाने पर इन्हें बधाई दी है.

त्रिनिदाद और टोबैगो के दौरे पर पीएम मोदी

त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर के आमंत्रण पर पीएम मोदी ने 3-4 जुलाई को त्रिनिदाद और टोबैगो का दौरा किया. न्यूज एजेंसी ANI की रिपोर्ट के मुताबिक, इसी दौरान दोनों देशों ने डिजिटल डोमेन में सहयोग बढ़ाने पर गहरी रूचि दिखाई. दोनों देशों ने डिजिलॉकर, ई-साइन और गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (GeM) सहित इंडिया स्टैक सॉल्यूशंस के कार्यान्वयन में आगे सहयोग करने पर भी सहमति जताई.

फ्रांस

साल 2024 में फ्रांस यूपीआई को अपनाने वाला पहला यूरोपीय देश बना. नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) की इंटरनेशनल यूनिट ने फ्रांस के डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म लाइरा के साथ सहयोग कर फ्रांस में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) को लॉन्च किया ताकि यहां ई-कॉमर्स और प्रॉक्सिमिटी पेमेंट्स को सिक्योर किया जा सके.

संयुक्त अरब अमीरात

NPCI इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (NIPL) ने नेटवर्क इंटरनेशनल के साथ पार्टनरशिप में 2021 में यूएई में क्यूआर कोड-बेस्ड यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) भुगतान को सक्षम किया. इससे दुबई मॉल, मॉल ऑफ द एमिरेट्स और देश के कई रिटेल और डाइनिंग आउटलेट में अब पेमेंट किया जा सकता है.

नेपाल

NPCI इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (NIPL) ने और नेपाल के सबसे बड़े पेमेंट नेटवर्क फोनपे पेमेंट सर्विस लिमिटेड ने 2024 में भारत और नेपाल के बीच सीमा पार लेनदेन के लिए यूपीआई शुरू करने के लिए हाथ मिलाया.

भूटान

रॉयल मॉनेटरी अथॉरिटी ऑफ भूटान ने 2021 में भूटान में भीम यूपीआई क्यूआर-बेस्ड ऑनलाइन पेमेंट को मान्यता देने के लिए NIPL के साथ पार्टनरशिप की, जिससे यह अपने क्यूआर परिनियोजन के लिए यूपीआई मानकों को अपनाने वाला पहला देश बन गया।

ज्यादा बच्चे पैदा करने पर पैसा दे रही चीनी सरकार

बीजिंग। चीन अपने यहां की घटती जनसंख्या से परेशान है. इसी बीच सरकार ने एक और नई स्कीम शुरू कर दी है, जिसके तहत सरकार बच्चे के जन्म पर माता-पिता को प्रोत्साहन राशि देगी. हालांकि, इसका लाभ 1 जनवरी 2025 के बाद पैदा होने वाले बच्चों को मिलेगा. ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, चीन की सरकार बच्चे के पैदा होने पर माताओं को हर साल 3,600 युआन देगी, जो भारतीय करेंसी के हिसाब से लगभग 42,000 रुपये होता है. यह पैसा बच्चे के तीन साल हो जाने तक मिलता रहेगा. इस तरह से कुल रकम 1.26 लाख रुपये होगी.

साप्ताहिक शहर सत्ता

'किसान-जवान-संविधान' जनसभा से पूर्व जोश में कांग्रेसी

सचिन पायलट ने कहा-बारिश है, बादल हैं, लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जबरदस्त जोश

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर में 7 जुलाई को कांग्रेस 'किसान-जवान-संविधान' जनसभा है। इसे लेकर प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने कहा कि, बारिश है, बादल हैं, लेकिन कार्यकर्ताओं में जबरदस्त जोश है। इस कार्यक्रम से कांग्रेस की भविष्य की तैयारी पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि एक दिशा तय की जाएगी कि किस दिशा में कांग्रेस पार्टी को चलना है। प्रदेश में कानून व्यवस्था बद से बदतर हो चुकी है। प्रदेश में जनता परेशान है। हर मोर्चे पर सरकार को घेरने की रणनीति तैयार की जाएगी। साथ ही सचिन पायलट ने रविवार को साइंस कॉलेज मैदान पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। मंच, पंडाल, सुरक्षा और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ पीसीसी चीफ दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत और पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव भी मौजूद थे। प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने मीडिया से बातचीत में कहा कि, यह सभा सिर्फ कार्यक्रम नहीं, बल्कि लोकतंत्र और संविधान को बचाने की दिशा में एक कदम है। मल्लिकार्जुन खड़गे का एक दिवसीय दौरा है। कार्यकर्ता उत्साह के साथ इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे हैं।

आज शामिल होंगे खड़गे

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे 7 जुलाई को रायपुर आ रहे हैं। वे सुबह 11.45 बजे रायपुर पहुंचेगे। दोपहर 12.30 से 2.30 बजे तक साइंस कॉलेज मैदान रायपुर में "किसान जवान संविधान" सभा में शामिल होंगे। वे शाम 4 बजे राजीव भवन रायपुर में प्रदेश कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर कमेटी की बैठक लेंगे। शाम 5 बजे प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी की विस्तारित बैठक लेंगे। श्री मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, संगठन, केसी वेणुगोपाल भी रायपुर आ रहे है। श्री खड़गे शाम को 6 बजे वापस रवाना होंगे।

पॉलिटिकल अफेयर कमेटी की बैठक

कांग्रेस की जनसभा के बाद के बाद पॉलिटिकल अफेयर कमेटी की बैठक होगी। जिस पर सचिन पायलट ने कहा कि जनसभा के बाद कांग्रेस पार्टी की बैठक होगी। दिशा निर्देश तय होंगे आगामी समय में कांग्रेस कैसे चलेगी।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा में जुबानी जंग

भूपेश बोले, कुर्सी है जनाजा तो नहीं, उतर जाइए

विजय शर्मा का पलटवार आप गड्ढे में लेट जाइए

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में सड़कों पर पानी भर गया है। गड्ढे हो गए हैं। इस पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गृहमंत्री विजय शर्मा के लिए सोशल मीडिया पर लिखा कि कुर्सी है तुम्हारा ये जनाजा तो नहीं है। कुछ कर नहीं सकते तो उतर क्यों नहीं जाते। आप दफा हो जाइए। सड़कों की दुर्गति ठीक करने के लिए आप मेरा नंबर लोगों को बांट रहे हैं। अपने बूते का नहीं लग रहा है तो छोड़िए उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री का पद, बल्कि पूरी भाजपा सरकार को इस्तीफा देना चाहिए। जनता को ही संभालना है।

हमें ही देखना है तो हम जनता के साथ देख लेंगे। आप दफ़ा हो जाइए। इस पर छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा जवाब में कहा कि दिया आप गड्ढे में लेट जाइए। यह मोहम्मद अकबर और भूपेश बघेल का बनाया गड्ढा है। इस गड्ढे में उनको अपना मुंह छुपाना चाहिए, क्योंकि उन्हीं का बनाया गड्ढा है। भाजपा की सरकार तो ऐसे अनेक और गड्ढे हैं, उन्हें ठीक कर रही है।

दरअसल, कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं ने कवर्धा में खराब सड़क पर विरोध प्रदर्शन किया। इसी बीच बांग्लादेशी घुसपैठ की जानकारी देने के लिए गृह मंत्री विजय शर्मा ने लोगों से अपील करते हुए टोल फ्री नंबर का पोस्ट शेयर किया। इसके साथ ही इस पोस्ट में एक सोशल मीडिया यूजर ने खराब सड़क की बात लिखी तो विजय शर्मा ने जवाब में भूपेश बघेल का फोन नंबर दे दिया। इसके बाद भूपेश बघेल ने विजय शर्मा पर शायराना अंदाज में पलटवार किया।

कांग्रेस ने सिर्फ लूटने का काम किया पार्टी में गुटबाजी चरम परः मूणत

रायपुर. छत्तीसगढ़ की सियासत राजनीतिक बयानबाजी से इन दिनों गरमाई हुई है. इस बीच रायपुर पश्चिम से भाजपा विधायक राजेश मूणत ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला है. उन्होंने कांग्रेस की विचारधारा पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस केवल भटकाने का काम करती है, अब इनमें विचारधारा जैसा कुछ नहीं रह गया है. कांग्रेस के भीतर गुटबाजी चरम पर है.

पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक राजेश मूणत ने कहा कि कांग्रेस पार्टी केवल जनता को भटकाने का काम करती है. इनके पास विचारधारा जैसा कुछ नहीं रह गया है. छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पूरी तरह हताश हो चुकी है. जब इनकी सरकार थी तो योजना बद्ध तरीके से प्रदेश को लूटने का काम किया गया. गिरोह बनकर प्रदेश का पैसा अपने खजाने में डाला. उन्होंने गुटबाजी पर भी निशाना साधा. विधायक मूणत ने कहा कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस में गुटबाजी भी चरम पर. कांग्रेस के अधिवेधन में पीसीसी चीफ की तस्वीर तक नही थी. छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सिर्फ समाचार की सुर्खियों पर है.

कांग्रेस को आत्ममंथन की जरूरत

किसान-जवान-संविधान सभा और राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे पर विधायक राजेश मूणत ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता कांग्रेस को नकार चुकी है. अब खड़गे जी अपनी जमीन तलाशने के लिए छत्तीसगढ़ आ रहे हैं. उनका स्वागत है. उनसे आग्रह है कि प्रदेश में उनकी सरकार ने योजना बद्ध तरीक़े से कैसे भ्रष्टाचार किया, वह उस पर भी प्रकाश डालें. कई नेता जेल में है, तो कई फरार हैं. छत्तीसगढ़ के किसान और बेरोजगार युवाओं ने कांग्रेस को नकारा है. कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार पर उन्हें यहां आत्ममंथन करने की जरूरत.

भाजपा के प्रशिक्षण शिविर पर दी जानकारी

भारतीय जनता पार्टी लगातार अपने कार्यकर्ताओं के लिए शिविर का आयोजन करती है. इसी कड़ी में तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का कार्यक्रम रखा गया है. इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री, राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे. सरकारी की योजना जनता तक कैसे पहुंच रही है इसकी मॉनिटरिंग करना, अपने आचरण को कैसे रखना है, तीन दिन के प्रशिक्षण शिविर में व्यापक चर्चा होगी.

डीएपी की 4.50 लाख मीट्रिक टन चाहिए 81 हजार मीट्रिक टन ही उपलब्धः बैज

शहर सत्ता/रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सरकार की लापरवाही के कारण सोसायटियों में अभी तक खाद, बीज पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंच पाया है। इस वर्ष डीएपी की 4.50 लाख मीट्रिक टन की जरूरत है, अभी सिर्फ 81 हजार मीट्रिक टन ही उपलब्ध है। मानसून की दस्तक हो चुकी है। अभी तक सोसायटियो में उर्वरक पहुंच जाने चाहिये, किसान चितिंत है। सरकार नहीं चाहता किसान पूरी फसल ले पाये इसी लिये खाद बीज नहीं उपलब्ध करवाया जा रहा, ताकि पैदावार कम हो और कम धान खरीदना पड़े। कांग्रेस मांग करती है कि सरकार उर्वरकों की उपलब्धता पर श्वेत पत्र जारी करे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मानसून आ चुका है। खरीफ की रोपाई तथा बुवाई, खाद और बीज की कमी के कारण प्रभावित हो रहा, भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार छत्तीसगढ़ के अन्नदाता किसानों की समस्या का कोई ख्याल नहीं। पूरे प्रदेश में खरीफ फसल के रोपाई और बुवाई चल रही है, लेकिन प्रदेश में खाद और बीज की समुचित व्यवस्था यह सरकार नहीं कर पाई है।

संसदीय रिपोर्टिंग पर छग विधानसभा में कार्यशाला संपन्न

त्रिवेदी ने कहा-:संसद के पारित कानून के खिलाफ विस प्रस्ताव पारित नहीं कर सकती

शहर सत्ता/रायपुर। राज्यसभा सांसद डॉ सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि संवैधानिक दृष्टि से संसद के पारित कानून के खिलाफ कोई राज्य विधानसभा प्रस्ताव पारित नहीं कर सकता। संसद का कानून हर राज्य विधानसभा के लिए बाध्यता है। वैसे ही जैसे राज्य विधानसभा से पारित कानून के विरूद्ध कोई भी जिला पंचायत या नगर निगम प्रस्ताव पारित नहीं कर सकता। सांसद त्रिवेदी ने सीएए का उदाहरण भी दिया।

उन्होंने कहा कि दो तीन साल पहले सीएए आया। सीएए के खिलाफ कई राज्य विधानसभाओं ने अपने प्रस्ताव पारित कर दिए। दूसरा पक्ष यह है कि सीएए नागरिकता से जुड़ा कानून है। नागरिकता राज्य का विषय नहीं है, यह केंद्र सरकार का विषय है। अब नागरिकता से जुड़े कानून पर प्रोसिडिंग हाउस में हो रही है तो पूरे घटनाक्रम के साथ यह भी निष्पक्ष तरीके से लिखा जाना चाहिए कि यह संवैधानिक दृष्टि से राज्य विधानसभा के अधिकार में है या नहीं। वे विधानसभा के रजत जयंती के अवसर पर संसदीय रिपोर्टिंग विषय पर कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

प्रभावी रूप से जनता तक पहुंचेगी जानकारी: सीएम

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह कार्यशाला पत्रकारों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। इसके माध्यम से विधान सभा की गतिविधियां प्रभावी रूप से जनता तक पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि आप सभी पत्रकार बंधु बड़ी मेहनत से विधानसभा की कार्यवाही को कवर करते हैं, जिससे आमजन यह जान पाते हैं कि विधायकों द्वारा उनके मुद्दों को गंभीरता से उठाया जा रहा है।

प्रदेश की अभिनव पहल गोल्डन बुक में दर्ज

हर आंगन में हरियाली, एक पेड़ माँ के नाम 2.0, लगाए गए एक लाख से अधिक पौधे

शहर सत्ता/रायपुर। हर आंगन में हरियाली लाने "एक पेड़ मां के नाम 2.0" वृक्षारोपण महाअभियान के तहत मुंगेली जिले के ग्राम लोहड़िया और रामपुर में पर्यावरण संरक्षण को नई दिशा देने अभिनव पहल की गई। वहां प्रधानमंत्री आवास योजना के 50 हजार हितग्राहियों के निवास परिसरों में एक लाख से अधिक पौधे रोपे गए। यह अनूठा और भावनात्मक अभियान न केवल हरियाली बढ़ाने की पहल है, बल्कि माताओं के प्रति गहरा सम्मान भी है।

इस अभिनव पहल को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया। इस महाअभियान का जिला स्तरीय भव्य कार्यक्रम मुंगेली विकासखंड के ग्राम लोहड़िया और रामपुर स्थित महात्मा गांधी आक्सीजोन परिसर में आयोजित हुआ, जिसमें छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने आम के पौधे का रोपण कर जल और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान मुंगेली विधायक श्री पुन्नूलाल मोहले, जिला पंचायत के अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय, कलेक्टर कुन्दन कुमार, पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, वनमंडलाधिकारी अभिनव कुमार और जिला पंचायत के सीईओ प्रभाकर पाण्डेय ने भी आम के पौधे का रोपण कर पर्यावरण के संरक्षण का संदेश दिया।

रामपुर में सी.सी. रोड के लिए 20 लाख

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने घटते जलस्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए जल संरक्षण के लिए ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने और वर्षा जल संरक्षण के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने रामपुर में सी.सी. रोड निर्माण के लिए 20 लाख रुपए की घोषणा की। विधायक श्री पुन्नू लाल मोहले ने वृक्षारोपण अभियान के लिए मुंगेली जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया। उन्होंने पर्यावरण के संरक्षण और इसे हरा-भरा बनाए रखने के लिए पेड़ लगाने को प्रोत्साहित किया। साथ ही गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज होने के लिए जिला प्रशासन की पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुंगेली जिला पंचायत की उपाध्यक्ष श्रीमती शांति देवचरण भास्कर, जिला पंचायत सदस्य श्री उमाशंकर साहू, श्री पवन पाण्डेय और जनद पंचायत की उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पलता पदमिनी मोहले सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और ग्रामीण बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

सहकारी समितियों में बीज और उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता

शहर सत्ता/रायपुर। चालू खरीफ सीजन में किसानों को समय पर बीज और उर्वरक उपलब्ध कराने प्रदेशभर में सहकारी समितियों द्वारा भण्डारण और वितरण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। कांकेर जिले में भी खाद और बीज की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए तेजी से किसानों को इनका वितरण किया जा रहा है। कांकेर में इस वर्ष 12 हजार 691 क्विंटल धान बीज के वितरण का लक्ष्य रखा गया है। जिले की सहकारी समितियों में इसके विरूद्ध अब तक दस हजार 908 क्विंटल बीज का भण्डारण किया गया है।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कांकेर जिले के किसानों की मांग को ध्यान में रखते हुए आईआर-64, एमटीयू-1010, एमटीयू-1001, स्वर्णा, विक्रम टीसीआर, एमटीयू-1156, सोनागाठी और डीआरआर-42 सहित विविध किस्मों का भंडारण किया गया है। इनमें से अब तक आठ हजार क्विंटल धान बीज किसानों को वितरित किया जा चुका है। किसानों को आवश्यकतानुसार उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए भी सहकारी समितियां सक्रियता से काम कर रही हैं। किसानों की मांग के आधार पर तत्काल खाद और बीज मुहैया कराया जा रहा है।

युक्तियुक्तकरण बना शिक्षा सुधार की नींव, गणित से था डर, अब है लगाव

अब हर छात्र को विषय विशेषज्ञ शिक्षक, करतला स्कूल में शिक्षक की नियुक्ति से बदली शिक्षा की दिशा

शहर सत्ता/रायपुर। जब भी कक्षा में गणित का नाम लिया जाता, कक्षा 8वीं के बच्चों के चेहरे पर डर और भ्रम साफ नजर आता। समीकरण समझना तो दूर, स्क्वायर, क्यूब, रूट या एल्जेब्रा के सवालों में वे ऐसे उलझ जाते मानो यह कोई रहस्य हो। फॉर्मूले याद रहते थे, लेकिन उन्हें सवालों में कैसे और कहाँ लगाना है, यह समझ ही नहीं आता था।

यह समस्या केवल कोरबा जिले के करतला क्षेत्र की नहीं है, बल्कि प्रदेश के उन सैकड़ों स्कूलों की है जहाँ शिक्षक की अनुपलब्धता के कारण बच्चों की समझ, रुचि और आत्मविश्वास तीनों ही शिक्षा से दूर हो रहे थे। विशेषकर गणित जैसे तकनीकी विषय में, शिक्षक की अनुपस्थिति बच्चों के बुनियादी कौशल के विकास में सबसे बड़ी बाधा बन रही थी। लेकिन अब यह तस्वीर तेजी से बदल रही है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रारंभ की गई युक्तियुक्तकरण नीति के सफल क्रियान्वयन से प्रदेश के सुदूरवर्ती और शिक्षकविहीन स्कूलों में भी विषय-विशेषज्ञ शिक्षकों की नियुक्ति की जा रही है। इसका उदाहरण कोरबा जिले के शासकीय माध्यमिक शाला, करतला में देखने को मिल रहा है, जहाँ हाल ही में गणित विषय के शिक्षक श्री किशोर केसरवानी की पदस्थापना की गई है। पूर्व में इस स्कूल में गणित विषय के शिक्षक की अनुपस्थिति के कारण बच्चों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब शिक्षक श्री किशोर केसरवानी के आने से न केवल बच्चों की कठिनाइयाँ दूर हुई हैं, बल्कि उनमें गणित के प्रति एक नई रुचि भी जागृत हुई है। शिक्षक श्री केसरवानी ने आते ही बच्चों को सभी मूलभूत फॉर्मूलों को दोहरवाया, उन्हें बीस तक का पहाड़ा याद कराया और गणित को रोजमर्रा की गतिविधियों के माध्यम से समझाने का नवाचार प्रारंभ किया। उनका मानना है कि गणित केवल क्लासरूम तक सीमित विषय नहीं है, यह जीवन का हिस्सा है, इसे चलते-फिरते, खेलते-कूदते और उदाहरणों के माध्यम से समझाया जाना चाहिए। जब गणित से डर खत्म होगा, तब बच्चे उसमें रुचि लेंगे। छत्तीसगढ़ शासन की इस दूरदर्शी पहल युक्तियुक्तकरण से न केवल एक स्कूल को शिक्षक मिला, बल्कि हजारों ऐसे बच्चों को मार्गदर्शन मिल रहा है, जो अब तक केवल इंतज़ार कर रहे थे।

राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता के पोस्टर का किया विमोचन

शहर सत्ता/रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन किया। यह प्रतियोगिता 1 जुलाई से 21 अगस्त 2025 तक आयोजित की जा रही है। इसका प्रमुख उद्देश्य स्वदेशी परंपराओं के पुनरुद्धार पर आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनमानस में जागरूकता का वातावरण तैयार करना है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी चुनौती है, जिससे निपटने के लिए भावी पीढ़ियों को जागरूक और संवेदनशील बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्कूली और महाविद्यालयीन छात्र इस अभियान में सहभागी होकर न केवल अपनी रचनात्मक क्षमताओं का विकास करेंगे बल्कि पारंपरिक जीवन मूल्यों और पर्यावरणीय संतुलन को भी मजबूत करेंगे। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण गतिविधि संस्थान के प्रतिनिधि अक्षय अलकरी, मनोहर चंदेल, आनंद पांडे और डॉ. अनुज नारद सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

चार राजनीतिक दलों को कारण बताओ नोटिस

शहर सत्ता/रायपुर। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ द्वारा रायपुर स्थित चार राजनीतिक दलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। विगत छह वर्षों (वर्ष 2019 से) में इन दलों द्वारा न तो किसी लोकसभा चुनाव और न ही किसी राज्य विधानसभा अथवा उपचुनाव में कोई उम्मीदवार खड़ा किया गया है। इसमें छत्तीसगढ़ संयुक्त जातीय पार्टी, बजरंग नगर (तात्यापारा वार्ड), रायपुर, छत्तीसगढ़ विकास पार्टी, ए-12 फ्लैश विहार, न्यू पुरैना, पोस्ट रविग्राम, रायपुर, राष्ट्रीय मानव एकता कांग्रेस पार्टी, गुरुद्वारा के सामने, स्टेशन रोड, रायपुर, पृथक बस्तर राज्य पार्टी, 8, सीनियर एच.आई.जी., सेक्टर-3, शंकर नगर, रायपुर शामिल हैं। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार इन सभी दलों के अध्यक्ष/महासचिव/प्रमुख को 11 जुलाई 2025 को सुनवाई हेतु अनिवार्य रूप से उपस्थित होना होगा।

भेलवाडाड़ में पहाड़ी कोरवा परिवारों को मिला पक्का मकान, जीवन में आई स्थिरता

मत्स्य संपदा योजना से आय हुई दुगनी

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की मत्स्य संपदा योजना किसानों के लिए एक महत्त्वाकांक्षी और लाभकारी योजना साबित हो रही है। इस योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को मत्स्य पालन के लिए आवश्यक संसाधन जैसे आइस बॉक्स और मछली पकड़ने का जाल निःशुल्क प्रदान किया जा रहा है।

इसी कड़ी में रायपुर जिले के तिल्दा ब्लॉक के ग्राम छतौद निवासी किसान श्री दाऊलाल धीवर ने बताया कि उन्होंने मत्स्य पालन विभाग में योजना का आवेदन किया था, जिसके तहत उन्हें विभाग द्वारा एक आइस बॉक्स और मछली पकड़ने का जाल उपलब्ध कराया गया। श्री धीवर ने बताया कि योजना से पूर्व वे मछली पकड़ने के लिए किराए पर जाल लेते थे, जिससे आय में कमी आती थी। उस समय उनकी वार्षिक आय लगभग 20 से 25 हजार रुपए होती थी। लेकिन योजना का लाभ मिलने के बाद, स्वयं का जाल और आइस बॉक्स होने से उनकी आय अब बढ़कर लगभग 40 से 50 हजार रुपए प्रति वर्ष हो गई है।

उन्होंने कहा, "यह सरकार की एक बहुत ही उपयोगी योजना है, जिससे हमें सीधे तौर पर आर्थिक लाभ मिला है। मैं इसके लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का हृदय से आभार प्रकट करता हूं।"मत्स्य संपदा योजना न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार को बढ़ावा दे रही है, बल्कि लाभार्थियों की आमदनी में भी उल्लेखनीय वृद्धि कर रही है।

बॉलीवुड में कास्टिंग काउच का कड़वा सच

नेहा सिंघानिया ने दिखाई राह, कहा – टैलेंट की कद्र है, समझौते की नहीं!"

शहर सत्ता/फ़िल्मी डेस्क। "हर सपना चमकता नहीं, कुछ जले हुए किस्सों से भी भरा होता है..."मुंबई सपनों का शहर, जहाँ हर दिन कोई न कोई लड़की अपने सपनों की गठरी लेकर स्टेशन पर उतरती है। उनमें से एक बनना चाहती है सुपरस्टार, कोई बनना चाहती है रोल मॉडल। लेकिन इस चमकती दुनिया के पीछे एक अंधेरा भी है कास्टिंग काउच।

कास्टिंग डायरेक्टर नेहा सिंघानिया, जो मुंबई फिल्म इंडस्ट्री में नई प्रतिभाओं को मौका देने के लिए जानी जाती हैं, उन्होंने सोशल मीडिया पर एक सशक्त वीडियो शेयर करते हुए बताया कि "जब कोई नई लड़की इंडस्ट्री में आती है, तो हम नहीं जानते कि वो किन हालातों से गुज़र कर यहां तक पहुंची है। क्या उसको फैमिली का सपोर्ट है? क्या वो घर से भागकर आई है? क्या वो आर्थिक रूप से सक्षम है? ये हम कभी नहीं जानते।

नेहा ने खास तौर पर कास्टिंग काउच जैसे ट्रैप पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि किस तरह लड़कियों को प्राइवेट ऑडिशन के नाम पर होटल रूम में बुलाया जाता है, और वहां उन्हें कहा जाता है "इंडस्ट्री में काम ऐसे ही मिलता है, अगर एडजस्ट नहीं किया, तो चांस नहीं मिलेगा..."लेकिन नेहा सिंघानिया का साफ संदेश है "डरो नहीं, रुको नहीं, झुको नहीं! टैलेंट की हमेशा वैल्यू होती है, न कि किसी समझौते की।"

नेहा का यह वीडियो न सिर्फ़ हिम्मत देने वाला है, बल्कि इंडस्ट्री के काले सच को बेनकाब करता है। वह कहती हैं, "यह इंडस्ट्री मेहनत की भूखी है, मजबूरी की नहीं।" अगर आप सपनों के शहर में हैं, तो खुद को टूटने न दें। संघर्ष हर किसी के हिस्से आता है, लेकिन अपनी अस्मिता और आत्म-सम्मान को कभी गिरवी न रखें। ये दुनिया आपकी मेहनत से ही आपको पहचान देगी।"

लड़कियों को यह सलाह

- **ऐसे किसी कॉल पर भरोसा न करें जहाँ जगह साफ़ न बताई गई हो।**
- **किसी ऑडिशन या मीटिंग पर अकेले न जाएँ।**
- **किसी भरोसेमंद व्यक्ति को लोकेशन की जानकारी दें।**
- **ज़रूरत पड़े तो पुलिस या महिला आयोग की मदद लेने में हिचकिचाएँ नहीं।**

डॉक्टर और एक्टर अजय सहाय को 'हेल्थ केयर आइकॉन ऑफ द ईयर' अवॉर्ड

शहर सत्ता /रायपुर। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के खास अवसर पर जयपुर में आयोजित एक प्रतिष्ठित समारोह में छत्तीसगढ़ के चर्चित चिकित्सक, फ़िल्म अभिनेता और समाजसेवी डॉ. अजय सहाय को "हेल्थ केयर आइकॉन ऑफ द ईयर" अवॉर्ड से नवाजा गया। यह सम्मान उन्हें बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल के कर-कमलों से प्रदान किया गया। डॉ. सहाय को यह सम्मान स्वास्थ्य सेवा, समाज कल्याण और सिनेमा के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के उनके सतत प्रयासों के लिए दिया गया है। बीते चार दशकों से वे छत्तीसगढ़ के दूरस्थ ग्रामीण, आदिवासी और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सैकड़ों निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों, जनजागरूकता अभियानों और सेवा कार्यों का संचालन कर रहे हैं।

डॉ. सहाय का योगदान सिर्फ चिकित्सा तक सीमित नहीं है। वे एक संवेदनशील फिल्म अभिनेता, पटकथा लेखक, निर्माता और निर्देशक भी हैं, जिन्होंने मनोरंजन के साथ-साथ समाजिक संदेश देने वाले कार्यक्रमों की रचना की है। डीडी किसान पर प्रसारित 'परिवर्तन' धारावाहिक, जो स्वच्छता अभियान पर आधारित था, उनके निर्देशन में तैयार किया गया था। उनके योगदान को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है और उन्हें अब तक सैकड़ों पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। जयपुर में मिला यह ताज़ा सम्मान न केवल उनकी बहुआयामी प्रतिभा को रेखांकित करता है, बल्कि छत्तीसगढ़ का नाम भी राष्ट्रीय मंच पर रोशन करता है। डॉ. सहाय ने कहा, "यह पुरस्कार उन तमाम लोगों को समर्पित है जो बेहतर समाज और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए हर दिन बिना थके काम कर रहे हैं।"

लंबे संघर्ष के बाद चमका सितारा

टीचर से बने फेमस विलेन

शहरसात्ता/रायपुर/कसडोल. निवासी आलोक मिश्रा ने यह साबित कर दिया है कि जुनून और समर्पण से हर सपना साकार हो सकता है। एक सरकारी स्कूल में व्यायाम शिक्षक की जिम्मेदारी निभाते हुए, उन्होंने अपने अभिनय के सपनों को कभी मरने नहीं दिया। थियेटर से शुरुआत कर, कोंडागांव में नेशनल लेवल ड्रामा कॉम्पटीशन तक पहुंचने वाले आलोक मिश्रा ने 2001-02 में छत्तीसगढ़ महतारी फ़िल्म से अपने करियर की शुरुआत की। यह फ़िल्म पुष्पेंद्र सिंह जी द्वारा निर्देशित थी।

हालांकि, इस फ़िल्म के बाद उन्हें लंबे समय तक फिल्मों में काम नहीं मिला और लगभग 20 साल तक उन्होंने लगातार कोशिशें कीं। लेकिन कहते हैं ना, मेहनत कभी बेकार नहीं जाती—साईं कृष्ण फ़िल्म प्रोडक्शन की फ़िल्म कुरुक्षेत्र में उन्हें निगेटिव रोल मिला और यहीं से उनके अभिनय करियर ने रफ्तार पकड़ ली। आज आलोक मिश्रा 14 से भी अधिक छत्तीसगढ़ी फिल्मों में काम कर चुके हैं और अपनी खास पहचान बना चुके हैं, खासकर खलनायक की भूमिकाओं में।

आलोक मिश्रा हैं छत्तीसगढ़ी सिनेमा के स्टार खलनायक

हाल ही में उनकी दो फिल्में तोर संग माया लागे (रिलीज़ डेट: 11 जुलाई) और सुपरहिट फ़िल्म छैया भुइया 3 दर्शकों के बीच खूब धमाल मचा रही हैं। छैया भुइया 3 जल्द ही 50 दिन का शानदार रिकॉर्ड पूरा करने जा रही है। इससे पहले भी उनकी फ़िल्म सुहाग ने 50 दिन चलने का कीर्तिमान रचा था। आलोक मिश्रा मानते हैं कि छत्तीसगढ़ी फिल्म इंडस्ट्री हर छत्तीसगढ़वासी की है, और अगर हम अपनी बोली को महत्व देंगे तो फ़िल्म इंडस्ट्री भी स्वतः ही आगे बढ़ेगी। वे कहते हैं, "फ़िल्म चाहे जिसकी भी हो, हमें मिलजुल कर प्रचार और सहयोग करना चाहिए।"

युवाओं के लिए उनका कहना है,माँ-बाप का आदर और सेवा करना सीखो, अपने भविष्य के लिए मेहनत करो और ईमानदारी से अपने सपनों के पीछे चलो। जुनून और धैर्य से हर सपना साकार हो सकता है।

शौक से शुरू हुआ सफर बना प्रोफेशन

लेखक-निर्देशक सागर पंडा का छालीवुड में संघर्ष और सफलता

शहरसत्ता के कला समीक्षक पूरन किरी की प्रस्तुति

शहरसत्ता/ रायपुर। "पढ़ने-लिखने का शौक स्कूल के दिनों से ही था, पर यह शौक कब जीवन की मुख्यधारा बन गया, पता ही नहीं चला..." — यह कहना है छत्तीसगढ़ के युवा लेखक और निर्देशक सागर पंडा का, जिनकी फिल्मों वैदेही और जवानी जिंदाबाद पहले ही दर्शकों का ध्यान खींच चुकी हैं। सागर पंडा बताते हैं कि शुरुआत में उन्होंने अपनी कहानियाँ मेल के माध्यम से विभिन्न प्रोडक्शन हाउसेज़ को भेजीं, लेकिन हर जगह से सिर्फ निराशा ही हाथ लगी। पर मेहनत और लगन के बलबूते उन्हें पवित्र रिश्ता और कुमकुम भाग्य जैसे प्रतिष्ठित टीवी शोज़ की राइटिंग टीम में काम करने का अवसर मिला, जिसने उनकी लेखनी को एक नया आयाम दिया।

छत्तीसगढ़ी सिनेमा के लिए अपील

छालीवुड को लेकर सागर पंडा का मानना है कि राज्य के दर्शकों को यहाँ बनने वाली फिल्मों को और ज्यादा समर्थन देना चाहिए। इससे उन्हें एहसास होगा कि अब छत्तीसगढ़ी सिनेमा में बेहतरीन मेकर्स आ चुके हैं, जो गुणवत्तापूर्ण सिनेमा बना रहे हैं। वहीं, वे सरकार से भी अपील करते हैं कि अन्य राज्यों की तरह छत्तीसगढ़ में भी फिल्म इंडस्ट्री को लेकर गंभीरता दिखाई जाए। अगर इंडस्ट्री को सही सहयोग मिले, तो यह रोजगार के नए द्वार खोल सकती है।

गुणवत्ता की नींव – शिक्षा और थिएटर

सागर मानते हैं कि फिल्म इंडस्ट्री में आने से पहले संबंधित शिक्षा या प्रशिक्षण लेना बेहद ज़रूरी है। बिना तैयारी के फिल्म निर्माण की दिशा में उठाया गया कदम न सिर्फ गुणवत्ता को प्रभावित करता है, बल्कि इंडस्ट्री की साख को भी नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने सोशल मीडिया पर उभर रहे कलाकारों की भी सराहना की, लेकिन यह सुझाव दिया कि वे थिएटर का अनुभव भी लें, ताकि उनकी अभिनय कला और निखरे। इससे इंडस्ट्री को भी एक नई ऊँचाई मिल सकेगी। सागर पंडा की आने वाली फिल्म बलि 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। इसके अलावा मासूम और जिया लागे रे जैसे प्रोजेक्ट्स पर भी काम जारी है। साथ ही, अन्य प्रोडक्शन हाउसेज़ के लिए भी लेखन कार्य चल रहा है।

नई पीढ़ी से की अपील

आखिर में वे युवा पीढ़ी से आग्रह करते हैं कि फिल्मी दुनिया में कदम रखने से पहले वे खुद तय करें कि वे करना क्या चाहते हैं। जिम्मेदारी के साथ तैयारी करें और सीखकर आएं, ताकि उनका भविष्य उज्जवल बन सके और छत्तीसगढ़ी सिनेमा को एक नई दिशा मिल सके। "इस सवाल का जवाब शायद मेरी आने वाली फिल्म बलि दे सके," कहते हुए सागर पंडा उम्मीद जताते हैं कि छत्तीसगढ़ की माटी से उपजे कलाकार एक दिन राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाएंगे।

मानसूनी मनमानी, छत्तीसगढ़ प्रभावित

रायपुर, बिलासपुर-अंबिकापुर, गरियाबंद और बस्तर में बारिश बनीं मुसीबत

घरों में घुसा पानी, गागर नदी में गिरा ट्रक, 17 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट

शहर सत्ता/रायपुर/अंबिकापुर/बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा में 10 घंटे तक हुई मूसलाधार बारिश के बाद पॉश कॉलोनी से लेकर नीचली बस्तियों में पानी भर गया। अंबिकापुर के कुंडला सिटी में दो से तीन फीट तक पानी भर जाने से रोड पर खड़ी कई कार आधी डूब गईं। घरों में भी पानी भर गया।

वहीं नेशनल हाईवे 343, अंबिकापुर-राजपुर मुख्य मार्ग पर शनिवार रात गागर नदी के पुल से किराना सामान से लदा ट्रक गिर गया। ड्राइवर और हेल्पर ने कूदकर जान बचाई। भारी बारिश से हसदेव नदी भी उफान पर है। कोरबा में भी वार्ड नंबर 13, न्यू अमरिया पारा और चिमनीभठा बस्ती में नाली का गंदा पानी घरों में घुस गया। मौसम विभाग ने अगले 3 घंटे के लिए छत्तीसगढ़ के 19 जिले में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक राजनांदगांव, महासमंद, रायपुर, बलौदाबाजार, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, बिलासपुर और कोरबा समेत 17 जिले में अगले 3 घंटे में (40-60 KMPH) तेज तूफान के साथ बारिश की संभावना है।

इसके साथ ही बीजापुर, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा, बस्तर, नारायणपुर, कोंडागांव, उत्तर बस्तर कांकेर, धमतरी, बालोद, राजनांदगांव, गरियाबंद, महासमंद, रायपुर, बलौदा बाजार, जांजगीर-चांपा और रायगढ़ में भी आंधी, बिजली और तेज तूफान (30-40 KMPH) के साथ बारिश की संभावना है।

- **अंबिकापुर में भारी बारिश से कई इलाके डूबे**
- **कोरबा में भी लगातार बारिश हो रही है। नाली का गंदा पानी घरों में घुस रहा है।**
- **हसदेव घाट में सड़क पर आया बाढ़ का पानी आ गया। दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई है।**
- **अंबिकापुर में गागर नदी के पुल से किराना सामान से लदा ट्रक**

17 जिलों में यलो अलर्ट

इसके अलावा रायपुर, दुर्ग, धमतरी, गरियाबंद, बेमेतरा, बालोद सहित 17 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश का यलो अलर्ट है। खासकर उत्तरी और मध्य छत्तीसगढ़ के हिस्सों में भारी बारिश की संभावना है। रायपुर में देर रात से ही रुक-रुककर बारिश हो रही है। गरियाबंद जिले के राजिम-फिंगेश्वर क्षेत्र में भी झमाझम बारिश हुई, जिससे खेतों में पानी भर गया है। अंबिकापुर की पॉश कॉलोनियों में जलभराव हो गया है, पानी घरों में घुस गया। अंबिकापुर के कुंडला सिटी में दो से तीन फुट तक पानी भर जाने से कार डूब गई। बिलासपुर में रविवार सुबह से बारिश हो रही है, कई इलाकों में पानी भर गया है। रायपुर और गरियाबंद जिले में देर रात से लगातार बारिश होती रही। गरियाबंद जिले के राजिम-फिंगेश्वर क्षेत्र में लगातार बारिश से खेतों में पानी भर गया है।

बिलासपुर में उफान पर अरपा

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में रविवार सुबह से बारिश हो रही है। जिस वजह से निचली कॉलोनियों में पानी भर गया है। शहर के पुराना बस स्टैंड, मिशन अस्पताल रोड, सरकंडा सहित कई इलाके पानी में डूब गए हैं।लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। अरपा नदी उफान पर है। उससे सटे निचले इलाकों में पानी घरों में घुस रहा है। लोग घरों में कैद होकर रह गए हैं। निगम प्रशासन ने दावे किए थे कि इस बार जलभराव की नौबत नहीं आएगी, लेकिन हकीकत कुछ और ही नजर आ रही है।

गरियाबंद में पिछले 15 दिनों में 200 मिमी से अधिक वर्षा दर्ज

गरियाबंद जिले में नालों में तेज बहाव देखने को मिल रहा है। लगातार हो रही बारिश के कारण कई जगहों पर जलभराव की स्थिति बन गई है। मौसम विभाग के अनुसार, गरियाबंद में पिछले 15 दिनों में 200 मिमी से अधिक वर्षा दर्ज की जा चुकी है। शनिवार को 10 से ज्यादा जिलों में के करीब 90 जगहों पर 10 MM या इससे ज्यादा बारिश हुई। औसत बारिश 25.73 मिमी दर्ज किया गया। इस बीच कोरबा में 20 साल पुराना पुल और सड़क तेज बारिश में बह गया।

साप्ताहिक शहरसत्ता

छत्तीसगढ़ के जलप्रपातों का लौटा सौंदर्य

प्रसिद्ध जलप्रपातों को देखने पर्यटकों में मची होड़

छत्तीसगढ़, भारत का हरा-भरा राज्य, प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर है। घने जंगल, पर्वत, नदियाँ और विशेष रूप से जलप्रपात यहाँ के प्रमुख आकर्षण हैं। मानसून के समय जब चारों ओर हरियाली छा जाती है और नदियाँ अपने पूरे यौवन पर होती हैं, तब इन जलप्रपातों की सुंदरता देखते ही बनती है। यह समय छत्तीसगढ़ में पर्यटन के लिए सर्वोत्तम माना जाता है। मानसून के आगमन के साथ ही छत्तीसगढ़ के जलप्रपातों में नया जीवन आ जाता है। तेज बहाव, गिरती जलधारा और चारों ओर की हरियाली पर्यटकों को अपनी ओर खींचती है। यहाँ के प्रमुख जलप्रपातों में तीरथगढ़, चित्रकोट, मंदी, चंद्रहासिनी, और अमृतधारा प्रमुख हैं।

चित्रकोट जलप्रपात

चित्रकोट जलप्रपात छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा और सबसे प्रसिद्ध जलप्रपात है, जिसे इसकी विशालता और सुंदरता के कारण अक्सर "भारत का नियाग्रा फॉल" कहा जाता है। यह जलप्रपात बस्तर जिले में स्थित है और इंद्रावती नदी पर बना है। इसकी ऊंचाई लगभग 30 मीटर (98 फीट) है और मानसून के दौरान इसकी चौड़ाई 300 मीटर तक फैल जाती है, जिससे इसका दृश्य अत्यंत भव्य और प्रभावशाली बन जाता है।

यह जलप्रपात घोड़े की नाल के आकार में गिरता है, जो इसे अन्य जलप्रपातों से अलग पहचान देता है। चारों ओर फैली हरियाली, घने जंगल और शांत वातावरण इसे प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों के लिए एक आदर्श स्थल बनाते हैं। चित्रकोट जलप्रपात के पास भगवान शिव का एक छोटा मंदिर भी स्थित है, जिससे यह धार्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। मानसून के मौसम में जब जलप्रपात अपनी पूरी भव्यता के साथ बहता है, तो इसका दृश्य देखने के लिए देश-विदेश से सैलानी यहां पहुंचते हैं।

तीरथगढ़ जलप्रपात

तीरथगढ़ जलप्रपात छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में जगदलपुर के पास स्थित एक बेहद खूबसूरत और शांत जलप्रपात है, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और मनमोहक दृश्यों के लिए प्रसिद्ध है। यह जलप्रपात कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के भीतर स्थित है, जो इसे और भी खास बना देता है। तीरथगढ़ जलप्रपात की खासियत इसकी सीढ़ीनुमा चट्टानों से गिरती पानी की धाराएं हैं, जो इसे एक अनोखा और दर्शनीय स्वरूप देती हैं। इसकी ऊंचाई लगभग 100 फीट है और मानसून के मौसम में इसका प्रवाह अत्यंत आकर्षक हो जाता है। घने जंगलों से घिरा यह स्थल प्रकृति प्रेमियों, ट्रेकिंग के शौकीनों और फोटोग्राफरों के लिए एक आदर्श गंतव्य है। इसके शांत वातावरण और सुंदर दृश्यों के कारण यह एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल भी बन चुका है। यहां पर आने वाले सैलानी न केवल जलप्रपात का आनंद लेते हैं, बल्कि पास में स्थित गुफाओं और वन्य जीवन का अनुभव भी करते हैं।

महादेव धूमर जलप्रपात

महादेव धूमर जलप्रपात छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में स्थित एक अद्भुत और शांत वातावरण से भरपूर जलप्रपात है, जो अब धीरे-धीरे पर्यटन मानचित्र पर उभर रहा है। यह जलप्रपात घने जंगलों और पहाड़ियों के बीच स्थित है, जहां प्रकृति अपने सबसे सुंदर रूप में नजर आती है। स्थानीय लोगों के लिए यह एक पूजनीय स्थल भी है, क्योंकि इसके समीप भगवान शिव का महादेव मंदिर स्थित है, जिससे यह स्थान धार्मिक आस्था का केंद्र भी बन गया है।

धूमर जलप्रपात खासतौर पर अपनी स्वच्छ जलधारा, हरियाली से घिरा शांत वातावरण और एकांत प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। मानसून के दौरान यहां का दृश्य अत्यंत मनमोहक हो जाता है, जब जलप्रपात की धाराएं पूरे वेग से गिरती हैं और वातावरण में ठंडक और नमी भर जाती है। यह स्थान न केवल प्राकृतिक सैर के लिए उपयुक्त है, बल्कि आत्मिक शांति और ध्यान के लिए भी आदर्श माना जाता है। शहरी भागदौड़ से दूर, महादेव धूमर जलप्रपात सुकून और प्रकृति से जुड़ने का एक सुंदर मौका प्रदान करता है।

रानीदाह झरना

रानीदाह झरना छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में स्थित एक बेहद खूबसूरत और शांत जलप्रपात है, जो अपनी हरी-भरी हरियाली, सुरम्य प्राकृतिक दृश्यों और सुकून देने वाले वातावरण के लिए जाना जाता है। यह झरना घने जंगलों और पहाड़ियों के बीच बसा है, जिससे यहां का दृश्य एक लुभावनी तस्वीर जैसा प्रतीत होता है।

रानीदाह जलप्रपात की खासियत इसका प्राकृतिक सौंदर्य और शांति है, जो इसे भीड़-भाड़ से दूर एक आदर्श पिकनिक और ट्रैकिंग स्थल बनाता है। बरसात के मौसम में जब झरने का जल स्तर बढ़ जाता है और आसपास की हरियाली और भी ताजगी से भर जाती है, तब यह स्थान और भी आकर्षक लगने लगता है। यहां का ठंडा और ताजगी भरा वातावरण न केवल पर्यटकों को आकर्षित करता है, बल्कि फोटोग्राफरों और प्रकृति प्रेमियों के लिए भी यह एक पसंदीदा स्थान बन चुका है। रानीदाह झरना उन लोगों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है जो शांति, प्रकृति और सौंदर्य की तलाश में हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.), मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-3158142, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी।